नई दिल्ली । सोमवार, 06 जुलाई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :181/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल विंबलडनः दिमित्रोव ने बनाई चौथे दौर में जगह...
@ विचार तीजन बाई की आत्मा थी पंडवानी...
@ व्यापार महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने ...

पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई का निधन

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

एजेंसी ■ रायपुर / नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं।

भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने X पर लिखा, 'उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।' छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया।

देशभर में शोक की लहर, राष्ट्रपति मुर्मु और अमित शाह समेत कई नेताओं ने जताया दुख

प्रख्यात पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई के निधन पर पूरे देश में शोक की लहर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उनके निधन को कला जगत और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, 'प्रख्यात पंडवानी कलाकार तीजन बाई के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली उपस्थिति और अनोखी प्रस्तुति से महाभारत की कथाओं को मंच पर जीवंत किया। अपनी विलक्षण प्रतिभा, समर्पण और वर्षों की साधना से उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध पंडवानी परंपरा को देश-विदेश में पहचान दिलाई। भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रसार करने में उनका अमूल्य योगदान स्मरणीय रहेगा। मैं उनके प्रियजनों और प्रशंसकों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।

राम मंदिर चढ़ावा मामलाः मोदी क्यों मौन?

संवाददाता ■ रायपुर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि जब भूमि पूजन, प्राण प्रतिष्ठा और ट्रस्ट गठन जैसे सभी कार्य पीएम मोदी ने किए, तो अब वे चुप क्यों हैं।

रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान भूपेश बघेल ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर एसआईटी की जांच का दस्तावेज गोपनीय रखा गया है। किसी पत्रकार को इसकी जानकारी नहीं दी गई। मंदिर ट्रस्ट के पास यह कैसे आएगा, इसकी चर्चा कैसे होगी? जब मंदिर का शिलान्यास हुआ, भूमि पूजन से लेकर उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा तक पीएम मोदी ने किया। ट्रस्ट का गठन भी पीएम मोदी ने किया। उनकी ओर से जवाब क्यों नहीं आ रहा है? ट्रस्ट बैठक कर रहा है, सवाल यह है कि पीएम मोदी क्यों बैठक नहीं कर रहे? पीएम मोदी चुप क्यों हैं?

ई20 ईंधन को लेकर भी भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'कोई भी नई चीज आती है तो ट्रायल किया जाता है। ट्रायल कब लिया गया। सरकार को चाहिए था कि सभी कंपनियों की गाड़ियों का परीक्षण होना चाहिए था कि माइलेज कितना कम आ रहा है और इंजन पर कितना असर पड़ रहा है। अध्ययन होना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि सबका श्रेय भाजपा सरकार लेती है, तो सारा ठीकरा नितिन गड़करी पर क्यों फोड़ा जा रहा है। नकटी गांव में गरीबों के घर तोड़ने पर भूपेश बघेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बुरी तरह फंस गई है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद-महत्वपूर्ण बैठक आज

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की पहली बैठक आज होगी। बैठक का सबसे अहम एजेंडा ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर फैसला होगा। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के इस्तीफे स्वीकार किए जाने की संभावना है। 26 जून को दोनों ने इस्तीफा दिया था, जिसकी पुष्टि 27 जून को ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने की थी।

छह जून को मामला उजागर होने के बाद ट्रस्ट की मांग पर 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया था। 25 जून को एफआईआर दर्ज होने के बाद आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। चढ़ावे की गणना और मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी चंपत राय और अनिल मिश्रा के पास होने के कारण दोनों शुरू से ही सवालों के घेरे में रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में दोनों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा।

गृह मंत्री ने अवैध कोयला खनन और चोरी की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अवैध कोयला खनन और कोयले की चोरी से जुड़ी स्थिति की समीक्षा के लिए नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में, केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय कोयला सचिव और कोयला मंत्रालय, सीआईएसएफ, कोल इंडिया लिमिटेड तथा बीसीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान, गृह मंत्री ने धनबाद और आस-पास के इलाकों में अवैध कोयला खनन और चोरी की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई। कोयला मंत्रालय के अधिकारियों ने बैठक में गृह मंत्री को बताया कि अक्टूबर 2025 के पहले हफ्ते में हुई समीक्षा के बाद से कई ठोस कदम उठाए गए हैं। यह भी बताया गया कि सीआईएसएफ और कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों को 'खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957' के तहत कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। यह अधिकार उन्हें कोर्ट में केस करने, ऐसी जगहों पर जाने जहां अवैध कोयला होने का शक हो, तलाशी और जब्ती की कार्रवाई करने, और अवैध रूप से निकाले गए खनिजों के साथ-साथ ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल किए गए औजारों, उपकरणों और गाड़ियों को जब्त करने की इजाजत देता है। यह भी बताया गया कि केंद्रीय गृह सचिव ने दिसंबर 2025 में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे। इनमें 'कोयला क्षेत्र समन्वय समिति' के गठन का निर्णय भी शामिल था और इस समिति का गठन कर दिया गया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कोयला मंत्रालय और सीआईएसएफ द्वारा अब तक उठाए गए कदमों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अवैध खनन की समस्या को रोकने के लिए अभी और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। गृह मंत्री ने अवैध खनन और कोयले के अनधिकृत परिवहन पर व्यापक और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 'जीरो कोल लीकेज प्लान' सुनिश्चित सहित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

राम मंदिर मामले में वीएचपी ने जांच अधिकारी को लिखा पत्र

प्रियंका से लेकर केजरीवाल तक के बयान दर्ज करने की मांग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच कर रहे अधिकारी को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव समेत अन्य नेताओं के बयान दर्ज करने की मांग की है।

वीएचपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस पत्र की जानकारी शेयर की। यह पत्र अयोध्या के डीएसपी और एफआईआर संख्या 0090/2026, थाना राम जन्मभूमि के जांच अधिकारी अशुतोष तिवारी को भेजा गया है। यह एफआईआर राम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावे मामले की जांच से जुड़ी है।

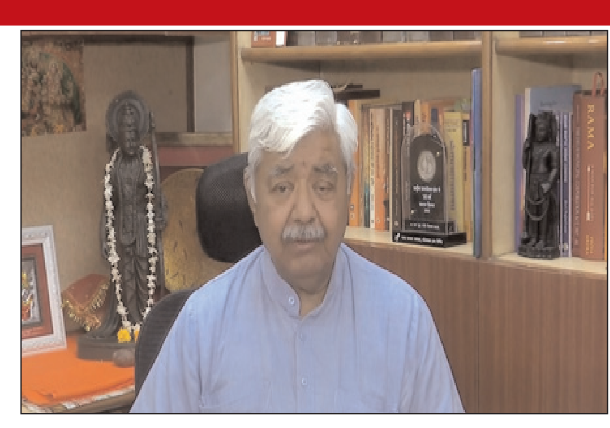

पत्र में कहा गया है कि इस मामले को लेकर कई सार्वजनिक हस्तियों ने टीवी चैनलों, सोशल मीडिया और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन लोगों ने सार्वजनिक रूप से बड़े दावे किए हैं, इसलिए निष्पक्ष और व्यापक जांच के लिए इन लोगों के बयान दर्ज किए जाने चाहिए।

पत्र में रामगोपाल यादव के उस बयान का जिक्र किया गया है, जिसमें उन्होंने राम मंदिर में करीब 20,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि देश-विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए 50-50 किलो सोना, चांदी, बहुमूल्य हार और करोड़ों रुपए की नकदी गायब है और इस मामले में सिर्फ छोटे कर्मचारी ही नहीं, बल्कि कई बड़े और प्रभावशाली लोग भी शामिल हैं। अरविंद केजरीवाल के उन बयानों का भी जिक्र किया गया है, जिनमें केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि भगवान राम का हार, चरण पादुकाएं, हीरे, आभूषण, चांदी की ईंटें, चांदी के दीपक और भारी मात्रा में नकदी चोरी हो गई है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह भी दावा किया था कि करीब 200 करोड़ रुपए नकद और कीमती हीरे-जवाहरात गायब हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि यदि निष्पक्ष जांच हुई तो सरकार भी गिर सकती है।

पत्र में राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के बयान का भी जिक्र किया गया है। कहा गया है कि संजय सिंह ने दावा किया था कि राम मंदिर के दान पात्रों से 200 करोड़ रुपए से अधिक की चोरी हुई है।

वीबी-जी रामजी योजना : 25,863 करोड़ की पहली किस्त जारी, शिवराज बोले-अब तक नहीं मिली कोई शिकायत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी-जी राम जी] के योजना के तहत 25,863 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की।

बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प था कि 1 जुलाई से विकसित भारत-जी राम जी पूरे देश में बिना किसी व्यवधान के लागू हो। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि योजना पूरे देश में सफलतापूर्वक लागू हो चुकी है और मनरेगा से विकसित भारत-जी राम जी में ट्रांजिशन पूरी तरह सहज और सुचारु रहा है। अब तक किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा संचालन संबंधी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि गरीब मजदूर भाई-बहनों की सेवा ही भगवान की सेवा है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार, समय पर मजदूरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण सुनिश्चित करना है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मनरेगा को पूरे देश में लागू होने में लगभग तीन वर्ष का समय लगा था जबकि विकसित भारत-जी राम जी एक ही दिन में पूरे देश में लागू हो गया। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व, राज्यों के सहयोग तथा देश की प्रशासनिक क्षमता की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री के संकल्प, सुशासन और प्रभावी समन्वय का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री ने प्रारंभिक प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि पहले सप्ताह में बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों में कार्य प्रारंभ हुए हैं तथा लाखों ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने आंध्र प्रदेश, केरल और राजस्थान की विशेष सराहना करते हुए कहा कि इन राज्यों ने पहले ही दिन बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराया।

उन्होंने ओडिशा और पश्चिम बंगाल से शेष ग्राम पंचायतों में शीघ्र कार्य प्रारंभ करने का आग्रह किया तथा झारखंड से योजना को अधिसूचित कर आवश्यक बजटीय प्रावधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

'होर्मुज स्ट्रेट बाहरी ताकतों के लिए सैन्य शक्ति प्रदर्शन का मंच नहीं है': ईरान

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद पलटवार करते हुए ईरान ने कहा है कि हॉर्मुज स्ट्रेट बाहरी ताकतों के लिए सैन्य शक्ति प्रदर्शन का मंच नहीं है। ईरान के एक वरिष्ठ राजनयिक ने आगाह किया कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग का इस्तेमाल सैन्य ताकत दिखाने के बजाय क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईरान, स्ट्रेट में सुरक्षा का जिम्मेदार अधिकारी और गारंटर होने के नाते, इस संवेदनशील समुद्री मार्ग में किसी भी सैन्य आंदोलन के खिलाफ चेतावनी देता है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, गरीबाबादी ने कहा कि स्ट्रेट की सुरक्षा पूरी तरह से ईरान और ओमान की जिम्मेदारी है। उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के शुक्रवार को दिए गए संयुक्त बयान को खारिज कर दिया। बता दें, ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर इस्तीफा देने का ऐलान कर चुके हैं और अगले प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह पद पर बने रहेंगे।

अपने बयान में, स्टार्मर और मैक्रों ने इस समुद्री मार्ग को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक जरूरी रूट बताते हुए कहा, 'स्ट्रेट से सभी देशों के जहाजों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट फिर से शुरू करना वैश्विक चिंता का विषय है।

कौशल विकास के जरिए युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार कर रही है असम सरकार: सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के माध्यम से राज्य के युवाओं को वैश्विक रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करना और 'आत्मनिर्भर असम' का निर्माण उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

गोरचुक स्थित नॉर्थ ईस्ट स्किल सेंटर के दौरे के दौरान प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को विशेष रूप से जापान में रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए सीएम फ्लाइट योजना के तहत जापानी भाषा का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत अब तक चार चरणों में प्रत्येक प्रशिक्षु पर लगभग 1.5 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इस राशि से उन्हें शिक्षा और विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे जापान के उद्योगों और अन्य संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर सकें।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र के बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया और असम स्किल डेवलपमेंट मिशन के तहत संचालित कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण

कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने जापानी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों से भी बातचीत की।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने बेटकुची में निर्माणाधीन इंटीग्रेटेड डायरेक्टरेट कॉम्प्लेक्स का दौरा कर परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। इस परिसर में राज्य सरकार के 54 निदेशालयों को एक ही परिसर में स्थानांतरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एकीकृत परिसर विभिन्न विभागों को एक प्रशासनिक केंद्र के तहत लाकर शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और नागरिक-केंद्रित बनाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कैंटीन, प्रत्येक मंजिल पर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, उच्च गुणवत्ता वाले शौचालय, दोपहिया, चारपहिया और साइकिलों के लिए अलग पार्किंग तथा पूरी तरह वातानुकूलित कार्यालय जैसी सभी आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि निदेशालयों को तीन चरणों में नए परिसर में स्थानांतरित किया जाए, ताकि यह प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सके।

इसके अलावा, हिमंत बिस्वा सरमा ने सरुसजाई स्टेडियम परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने एकीकृत शहरी विकास की प्रस्तावित मास्टर प्लान की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य इस पूरे क्षेत्र को विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, बेहतर संपर्क व्यवस्था, उन्नत नागरिक सुविधाओं और टिकाऊ शहरी नियोजन के साथ एक आधुनिक शहरी केंद्र के रूप में विकसित करना है।

जिससे लोगों को अधिक सुविधाएं और बेहतर जीवन गुणवत्ता मिल सके।

शक्ति केंद्र मजूबत होगा तो मिलेगी बंगाल जैसी जीत : सीएम योगी

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन के जरिए संगठन और कार्यकर्ताओं में चुनावी ऊर्जा भरने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मेलन में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब जिन सरकारों के समय प्रदेश में माफिया पाले जाते थे और हर जिले में कट्टा-बम बनवाए जाते थे, वहीं आज उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन का निर्माण कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जबकि पिछली सरकारों का उद्देश्य केवल अपना लूटतंत्र मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि जब शक्ति केंद्र मजबूत होगा तब बंगाल जैसी जीत मिलने में कठिनाई नहीं होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है और वर्तमान पीढ़ी विकसित भारत की संकल्पना को साकार होते हुए देख रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। अंत्योदय की अवधारणा को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दिया था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से धरातल पर उतारा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति का पहला सूत्र

राजनीतिक स्थिरता है। बिना स्थिर सरकार के सुशासन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश को स्थिर सरकार देने की परंपरा स्थापित की और भाजपा ने उसी आधार पर सुशासन का मॉडल विकसित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास और विरासत को साथ लेकर चलने का मॉडल दिया है और उत्तर प्रदेश उसकी सबसे बड़ी प्रयोगशाला बना है। अयोध्या का भव्य स्वरूप, काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प और दिव्य-भव्य महाकुंभ इसी सोच का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है और यहां ब्रह्मोस मिसाइल व ड्रोन जैसे रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है।

विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल जाति की राजनीति के जरिए समाज को बांटते रहे, लेकिन डबल इंजन सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है।

संक्षिप्त खबरें

सिंगापुर में भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की सफल तैनाती, समुद्री सहयोग को मजबूती

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े के युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि, आईएनएस शक्ति और आईएनएस कवरत्ती ने क्षेत्र में सिंगापुर की सफल बंदरगाह यात्रा पूरी की है। ये भारतीय नौसैनिक जहाज अपनी परिचालन तैनाती के तहत सिंगापुर पहुंचे थे। इस यात्रा ने भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत समुद्री साझेदारी तथा क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को और सुदृढ़ किया।

सिंगापुर प्रवास के दौरान भारतीय नौसेना और रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी के बीच अनेक पेशेवर गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इनमें दोनों देशों के नौसैनिकों द्वारा क्रॉस-डेक विजिट शामिल रहा। इसके माध्यम से ऑपरेशनल प्रक्रियाओं की समझ बढ़ाने, आपसी समन्वय को मजबूत करने तथा संयुक्त अभियानों में बेहतर तालमेल स्थापित करने पर जोर दिया गया।

इस दौरान समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और नौवहन की स्वतंत्रता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों नौसेनाओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सहयोग को बढ़ावा देने के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

भारतीय नौसेना की यह तैनाती विजन 'महासागर' तथा एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है। इस नीति का उद्देश्य मित्र देशों के साथ समुद्री सहयोग को मजबूत करना और क्षेत्र में सुरक्षित एवं स्थिर समुद्री वातावरण सुनिश्चित करना है। यह यात्रा भारत और सिंगापुर के बीच लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक एवं समुद्री संबंधों की गहराई को दर्शाती है। साथ ही, यह दोनों देशों की उस साझा सोच को भी प्रतिबिंबित करती है, जिसके तहत एक सुरक्षित, स्थिर और सहयोगात्मक समुद्री क्षेत्र के निर्माण के लिए मिलकर कार्य किया जा रहा है।

जेनेवा में यूएनसीटीएडी बैठक: उपभोक्ता संरक्षण सत्र की अध्यक्षता करेगा भारत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत सोमवार से जिनेवा के 'पैले डे नेशंस' में संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास संगठन (यूएनसीटीएडी) की ओर से आयोजित इंटरगवर्नमेंटल ग्रुप ऑफ एक्सपर्ट्स (आईजीई) ऑन कंज्यूमर प्रोटेक्शन लॉ एंड पॉलिसी के नौवें सत्र की अध्यक्षता करेगा।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, यह दो दिवसीय बैठक होगी, जिसमें सदस्य देश, अंतरराष्ट्रीय संगठन, उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण, शिक्षाविद और अन्य हितधारक भाग लेंगे। बैठक में उपभोक्ता संरक्षण कानून और नीति से जुड़े उभरते मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र दिशानिर्देशों के तहत गठित आईजीई, उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े वैश्विक सहयोग और संवाद का प्रमुख अंतर-सरकारी मंच है। भारत इस क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। भारत उपभोक्ता संरक्षण के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित चर्चाओं में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। जुलाई 2025 में जिनेवा में आयोजित 'प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण पर 9वें संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' के दौरान भारत ने नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन (एनसीएच) और उसके प्री-लिटिगेशन मॉडल के माध्यम से सीमा-पार उपभोक्ता विवाद समाधान में अपने अनुभव साझा किए थे।

नितिन नवीन का राहुल, अखिलेश और केजरीवाल पर सीधा हमला, बोले-हिंदू धर्म को कमजोर समझने की भूल न करें

विश्व केसरी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि हिंदू धर्म और सनातन पर प्रहार करने वालों को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि विपक्ष हिंदू धर्म को कमजोर समझने की भूल न करे, क्योंकि देश की जनता अपनी आस्था और सांस्कृतिक विरासत के अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। नितिन नबीन ने कहा, 'मैं राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिए कि लोग आपके बहकावे में आ जाएंगे। जब आपके सहयोगी और समर्थक हिंदू देवी-देवताओं तथा सनातन पर टिप्पणी करते हैं, तब आप मौन साध लेते हैं। उत्तर प्रदेश और देश की जनता इस अपमान का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देती रहेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने केवल विकास की राजनीति नहीं की, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और पुनर्जीवित करने का काम भी किया है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का भव्य पुनर्विकास और देशभर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक ह्यह्यस्थलों के संरक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह भाजपा की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि इस विरासत को बचाने और संजोने के लिए पूर्वजों ने बलिदान दिए हैं और भाजपा उसी विरासत को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, परिवारवाद और माफियाराज की पहचान बन गया था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार ने प्रदेश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं।

उन्होंने दावा किया कि आज उत्तर प्रदेश कानून व्यवस्था, विकास और सुशासन के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव संगठन की ताकत के बूते लड़ा जाएगा। शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर भाजपा की मजबूत संरचना ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं के उत्साह और संगठन की मजबूती के दम पर भाजपा 2027 में एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

हैदराबाद मेट्रो फेज-1 का मूल्यांकन जल्द एसबीआई कैप्स को सौंपे केंद्र, सीएम रेवंत रेड्डी की मांग

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-1 के मूल्यांकन और वित्तीय जांच का काम जल्द से जल्द एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआई कैप्स) को सौंपा जाए। उनका कहना है कि इससे फेज-1 को राज्य सरकार के अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी आएगी और फेज-2 की वित्तीय संरचना भी समय पर तैयार हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को लिखे पत्र में कहा कि फेज-1 के अधिग्रहण में हो रही देरी से मेट्रो परियोजना के संचालन में अनिश्चितता पैदा हो रही है और रोजमर्रा की चुनौतियां बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि इस देरी का असर फेज-2 की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी मिलने और उसके लिए वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था पर भी

पड़ रहा है। इससे परियोजना के क्रियान्वयन में विलंब हो रहा है और समय बढ़ने के कारण लागत में भी वृद्धि होने की आशंका है।

रेवंत रेड्डी ने अपने पत्र में 24 जून को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी की मौजूदगी में हुई बैठक का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बैठक में यह सहमति बनी थी कि एसबीआई कैप्स को हैदराबाद मेट्रो फेज-1 के मूल्यांकन और वित्तीय परीक्षण का कार्य सौंपा जाएगा, ताकि राज्य सरकार द्वारा इसके अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एजेंसी को फेज-1 पर मौजूद महंगे कर्ज के पुनर्वित्त (रीफाइनेंसिंग) के विकल्पों का भी अध्ययन करना था। साथ ही, फेज-2 के लिए दीर्घकालिक ऋण और अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं सहित पूरी फंडिंग संरचना की भी समीक्षा करनी थी, क्योंकि इस चरण में भी बड़े पैमाने पर ऋण जुटाने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही नगर प्रशासन एवं शहरी विकास (एमए एंड यूडी) विभाग के विशेष मुख्य सचिव को इस पूरी प्रक्रिया के समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर चुकी है।

रेवंत रेड्डी ने पत्र में लिखा कि बैठक में यह भी तय हुआ था कि यह जिम्मेदारी तुरंत एसबीआई कैप्स को सौंपी जाएगी, ताकि फेज-1 के अधिग्रहण और फेज-2 के विस्तार से जुड़ी संयुक्त प्रक्रिया बिना किसी देरी के शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि फेज-1 का मूल्यांकन, उसके कर्ज का पुनर्गठन और फेज-2 की वित्तीय संरचना आपस में जुड़ी हुई हैं, इसलिए इन पर एक साथ काम किया जाना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने चिंता जताई कि बैठक को काफी समय बीत जाने के बावजूद अब तक एसबीआई कैप्स को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और न ही कार्य के दायरे (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) को अंतिम रूप देकर राज्य सरकार को भेजा गया है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से अनुरोध किया कि जल्द से जल्द एसबीआई कैप्स को यह जिम्मेदारी सौंपने और कार्य की रूपरेखा राज्य सरकार को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि फेज-1 के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो सके और फेज-2 का विस्तार बिना किसी और देरी के आगे बढ़ सके।

मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को भी पत्र लिखकर उनसे आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा रेल मंत्रालय के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया।

वाईएसआरसीपी नेता सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार के लिए फंडिंग कर रहे हैं: आंध्र प्रदेश सीएम

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को आरोप लगाया कि विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता राज्य की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) नीत गठबंधन सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार अभियान चलाने के लिए आर्थिक मदद दे रहे हैं।

चित्तूर जिले के अपने विधानसभा क्षेत्र कुप्पम में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वाईएसआरसीपी के नेता कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उन्हें और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की आलोचना करने के लिए फंडिंग कर रहे हैं।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 'कुल्हाड़ी पार्टी' हिंसा और अभद्र भाषा की राजनीति पर निर्भर है। उन्होंने आरोप लगाया

कि वाईएसआरसीपी राज्य में गुटबाजी और गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीडीपी नीत गठबंधन सरकार एक ओर कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है, वहीं कुछ लोग हर कदम पर बाधाएं उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं और चाहे कितनी भी रुकावटें पैदा की जाएं, विकास की गति नहीं रुकेगी।

नायडू ने आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने कंपनियों को जमीन आवंटित करने के बाद उन्हें विवादों में उलझा दिया। उन्होंने दावा किया कि बहुमूल्य जमीन और खनिज संसाधनों का इस्तेमाल केवल एक व्यक्ति के हित में किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाईएसआरसीपी नेताओं की कार्यशैली उद्योगों और कंपनियों को राज्य से बाहर जाने के लिए मजबूर करने की रही है। उन्होंने ओबुलापुरम और अनराक जैसी परियोजनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं को भी इसी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब वाईएसआरसीपी उन सभी परियोजनाओं का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, जिन्हें वास्तव में टीडीपी नीत गठबंधन सरकार ने शुरू किया है। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया।

चंद्रबाबू नायडू ने यह भी आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने आदिवासी (एजेंसी) क्षेत्रों को गांजा की खेती का केंद्र बना दिया था।

मुंबई के कुर्ला में भारी बारिश के बीच पेड़ गिरने से बुजुर्ग की मौत, मुआवजे का ऐलान

विश्व केसरी

मुंबई। मुंबई के कुर्ला (पश्चिम) के नौपाडा इलाके में भारी बारिश के दौरान एक पेड़ गिरने से 63 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर रितु तावड़े ने इस दुखद घटना पर मृतक के परिजनों के लिए 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि (मुआवजा) घोषित की है। उन्होंने स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर मौके का जायजा लिया।

मुंबई में कई जगहों पर बीएमसी के काम चल रहे हैं। भारी बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल रही हैं। दोनों के एक साथ होने के कारण पूरे शहर में पेड़ और उनकी टहनियां गिरने की कई घटनाएं हो रही हैं।

महापौर रितु तावड़े ने लोगों से अपील की कि वे केवल बेहद जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें, अन्यथा घर पर ही रहें।

महापौर रितु तावड़े ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और दर्दनाक है। पीड़ित अपनी दुकान खोलने के लिए वहां आए थे, तभी पेड़ की एक टहनी उनके ऊपर गिर गई, जिससे उनकी मौत हो गई। हम उनके परिवार के साथ पूरी तरह खड़े हैं। हमारे स्थानीय पार्षद ने प्रशासन को दो बार पत्र लिखकर इस पेड़ की खतरनाक स्थिति के बारे में चेतावनी दी थी। फिर भी इस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई, इसकी जांच कराई जाएगी। मैं पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा करती हूं।

साथ ही, महापौर ने पूरे मुंबई में पुराने पेड़ों, खासकर कंक्रीट वाली सड़कों के किनारे वाले पेड़ों का ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए, मैं सभी मुंबईवासियों से अपील करती हूं कि वे बेवजह यात्रा न करें, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें तथा पेड़ों के नीचे गाड़ियां पार्क न करें। जहां भी लापरवाही पाई जाएगी, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक्स पोस्ट के माध्यम से भी महापौर रितु तावड़े ने मुंबई के लोगों को जागरूक किया।

‘पहली बारिश में छत्तीसगढ़ हुआ पानी-पानी’

विश्व केसरी■ संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित प्रदेश में मानसून की पहली बरसात ने प्रदेश की सूरत बिगाड़ दी है। आलम यह है कि प्रदेश के कई जिलों की सड़कें तालाब बन चुकी हैं। शहर के पॉश इलाकों से लेकर निचली बस्तियों तक, हर तरफ पानी का कब्जा है। लोग जान जोखिम में डालकर घरों से बाहर निकल रहे हैं।

पानी-पानी राजधानी

रायपुर के प्रमुख चौराहों पर जलभराव इतना ज्यादा है कि गाड़ियां बंद हो रही हैं। शास्त्री चौक, फाफाडीह, गुढ़ियारी से लेकर कचहरी चौक के पास सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया है। दोपहिया वाहन सवारों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। इंजन में पानी घुसने के कारण कई लोग बीच सड़क पर ही फंस गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम ने सफाई के बड़े-बड़े दावे किए थे। लेकिन एक छोटी सी बारिश ने सारा झूठ सामने रख दिया।

नालों की सफाई सिर्फ कागजों पर ?

शहर के कई वार्डों में रहने वाले लोगों का आरोप है कि नाला सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हुई है। सूत्रों की मानें तो शहर के बड़े नालों से कचरा ठीक से नहीं निकाला गया।

निचली बस्ती में जल-भराव, गरीबो को भोजन के पैकेट का वितरण

नगर निगम जोन 3 वार्ड 29 एवं 30 क्षेत्र के कालीनगर, गोरखा कॉलोनी एवं गाँधी नगर निचली बस्ती क्षेत्र में मानसून की पहली बारिश में आयी जलभराव की समस्या, निगम आयुक्त के निर्देश पर वार्ड पार्षद कैलाश बेहरा एवं राजेश गुप्ता के नेतृत्व में दोनों वार्ड की प्रभावित 3 बस्तियों में लगभग 2000 फ़ूड पैकेटस रहवासी नागरिकों को तत्काल किये गए।

उफान में आई बगनई नदी, 14 मजदूर फसे पुलिस और एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में रविवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण बगनई नदी अचानक उफान पर आ गई। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से विजयपाल गांव के पास नीचे छोटी झोपड़ियों में रह रहे 14 मजदूर बाढ़ के बीच फंस गए। पुलिस और महासमुंद की एसडीआरएफ जवानों की संयुक्त टीम ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 4 बजे लगातार बारिश के कारण बगनई नदी का नुकसान अचानक बढ़ गया। विजयपाल गांव के पास के झोपड़ी में मजदूर पुल के नीचे रह रहे थे। सभी श्रमिक गहरी नींद में थे, इसलिए उन्हें पानी बढ़ाने का समय पर माप नहीं लग सका। देखते ही देखते चारों ओर बाढ़ का पानी भर गया और वे नदी के तट पर फंस गए।

जिले के प्रभारी उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर सिंह गंगवाल पुलिस टीम के साथ। वहीं महासमुंद से नगर सेना की एसडीआरएफ टीम पर भी मॉस्क पर पुलिस टीम ने स्थिति का पता लगाने के बाद राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

नदी में तेज़ तूफ़ान बीच एकजुटता टीम ने पूरी तरह से एक-एक कर सभी 14 मजदुर को बाहर सुरक्षित निकाला गया । अभियान के दौरान सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय किए गए। काफी संकट के बाद सभी लोगों को निकाला गया, पुलिस अधिकारियों ने समय-समय पर बैठक कर पुलिस और एसडीआरएफ को त्वरित कार्रवाई के बारे में बताया ताकि सभी लोगों की जान बचाई जा सके।

संक्षिप्त खबरें

समाधान योजना की अवधि 30 सितंबर तक बढ़ी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना-2026 की अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालय द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार योजना की अवधि, जो पूर्व में 30 जून 2026 तक निर्धारित थी, अब 30 सितंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना को उपभोक्ताओं से मिल रहे अच्छे प्रतिसाद को देखते हुए इसकी अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाने की घोषणा की थी

उल्लेखनीय है कि कोरोना काल के दौरान आर्थिक कठिनाइयों के कारण बड़ी संख्या में घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ता समय पर बिजली बिल जमा नहीं कर सके थे। ऐसे उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना प्रारंभ की। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 28 लाख 42 हजार पात्र उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल में लगभग 757 करोड़ रुपये की राहत प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत निम्नदाब घरेलू, बीपीएल एवं कृषि श्रेणी के अशासकीय उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल की मूल राशि एवं अधिभार में नियमानुसार छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। योजना की अवधि बढ़ने से ऐसे पात्र उपभोक्ताओं को तीन माह का अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो अब तक किसी कारणवश इसका लाभ नहीं ले सके हैं।

पावर कंपनी ने सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 30 सितंबर 2026 तक अपने निकटतम विद्युत कार्यालय से संपर्क कर योजना का लाभ उठाएं तथा बकाया बिजली बिलों का निराकरण कर छूट का लाभ प्राप्त करें। योजना की अन्य सभी शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारिता के भविष्य पर हुआ मंथन

विश्व केसरी■

रायपुर । अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर राजधानी स्थित कृषि मंडपम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, लाभांडी में सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की भूमिका पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता, मार्कफेड के प्राधिकृत अधिकारी शशिकांत द्विवेदी तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह ने किया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के गठन के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में विगत 4 जून को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर यह विशेष आयोजन किया गया।

विधायक कॉलोनी का कोई प्रस्ताव नहीं - अनुराग सिंह

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने त्वरित निर्णय करते हुए 66 कब्जाधारियों को आवास मुहैया कराया, नवा रायपुर के सेक्टर 30 में 1200 परिवार पहले से निवासरत है जहां सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है।

कांग्रेस विधायक नकटी में मकान नहीं लेने संबंधी जो पत्र लिख रहे है वो पत्र भूपेश बघेल और मोहम्मद अकबर को प्रेषित करें यह प्रस्ताव उन्हीं का था

विधायक आवास बनाने हेतु स्थान का चिन्हांकन एवं अतिम निर्णय विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य की एक समिति द्वारा किया जाता है

नकटी की अतिक्रमण भूमि अभी भी राजस्व विभाग के पास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही जिला प्रशासन ने अपने अतिक्रमण विरोधी मुहिम के अंतर्गत की

एक-एक व्यक्ति 29-29 हजार वर्गफीट भूमि कब्जा करके रखा था यह सामान्य नहीं है ऑर्गनाईस्ड अतिक्रमण है

झूठे विमर्श खड़ाकर जनता के भावनाओं को भड़काकर व अराजकता की राजनीति कर रही कांग्रेस बलौदाबाजार की पुनरावृत्ति चाहती है कांग्रेस

छत्तीसगढ़ की जनता को नकारात्मक राजनीति पसंद नही षड़यंत्रकारियों के विरूध्द कड़ी कार्यवाही हो

छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने कहा है कि नकटी ग्राम में हटाए गए अतिक्रमण के वास्तविक सत्य सामने आने के बाद से पूरे प्रकरण का नीर-क्षीर सत्य प्रकाश में आ गया है और इस मामले में फैलाई जा रहे झूठ और अफवाहों का सच भी उजागर हो गया है।

सिंहदेव ने रविवार को यहां भाजपा कार्यालय में आहूत एक महती पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर,देश ने जताया शोक

विश्व केसरी■

रायपुर । पंडवानी को देश-दुनिया में लोकप्रिय बनाने वाली तीजन बाई अब हमारे बीच नहीं रहती। वह रविवार की सुबह भव्य स्वाहा तीन बजे एम्स रायपुर में अंतिम सांस ली। 24 अप्रैल 1956 को दुर्ग के गनियारी गांव में डॉ. का जन्म हुआ। तीजन बाई लंबे समय से गंभीर सैक्टर से जुड़ी रही हैं। उनके पिता का नाम हुकुमचंद परदा और माता का नाम सुखवती बाई था। छत्तीसगढ़ की लोक कला पद्मविभूषण तीजनबाई ने पंडवानी में बहुत नाम कमाया। उन्होंने कई आतिशबाज़ी में सरदारों को दी और उनकी कला से लेकर चित्रकारी में भी उन्हें नामांकित किया गया। उनकी प्रेरणा से इस विधा में कई कलाकार आगे आये। **तीजन बाई के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव समेत कई गरीबों ने दुख जताया है।**

देश के साथ विदेशी राष्ट्रों के प्रमुखों की सामने आई शानदार प्रस्तुतियाँ

उनकी इस अद्भुत प्रतिभा को प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर ने कहा, जिसके बाद

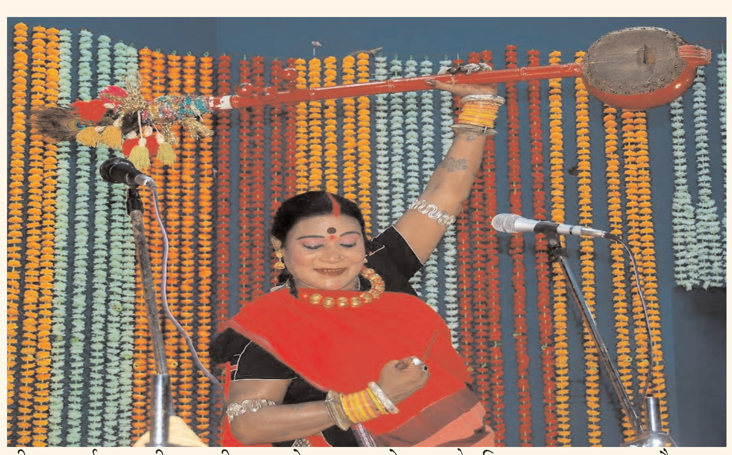

तीजन बाई का जीवन पूरी तरह से बदल गया। उन्होंने देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से लेकर दुनिया के कई राष्ट्र प्रमुखों के सामने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। इनमें इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, तुर्की और मोरीशस शामिल हैं, जिनमें 17 से अधिक देशों में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति का डंका शामिल है।

कई मिले, जापान से भी मिला पुरस्कार कला के क्षेत्र में उनके इसी बेजोड़ योगदान के लिए भारत सरकार और अन्य ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा। उन्हें वर्ष 1988 में पद्म श्री, 1995 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 2003 में पद्म पद्म सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके बाद साल 2018 में उन्हें प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जापानी पुरस्कार ‘फुकुओका पुरस्कार’ मिला और 2019 में देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान ‘पद्म विभूषण’ से विभूषित किया गया। इसके अलावा बिलासपुर विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें डी. लिट की मानद डिग्री भी दी गई थी।

पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर मोदी को भी दुख हुआ है। उन्होंने एक्स पर लिखा, सुप्रसिद्ध पांडवानी गाय तीजन बाई के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की इस लोक कला को अपने भव्य महापुरुषों से लेकर विश्व में एक विशिष्ट पहचान स्थान बनाया। उनकी जानी मानी कला एवं संस्कृति जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके बंगले और प्रशंसकों के साथ हैं।

सीएम ने शोक व्यक्त किया

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एम्स की स्थापना करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। वे आईआईएम के आध्यात्मिक शिविर में उन्हें दर्शन देने के लिए अमेरिका गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजन बाई का निधन बहुत निराशाजनक है। उन्होंने पूरे देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया था।

छत्तीसगढ़ ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर का अनमोल रत्न खो दिया : संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण सम्मानित प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई का रविवार तड़के रायपुर एम्स में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थीं। उनके निधन से छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश और विश्व की लोक कला जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर प्रदेश के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि तीजन बाई केवल एक लोक कलाकार नहीं थीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान की जीवंत प्रतीक थीं। उन्होंने अपनी अद्भुत कला, दमदार प्रस्तुति और समर्पण से पंडवानी जैसी लोकविधा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया।

पं त्रिवेदी ने सिद्धांतों की पत्रकारिता की - प्रो पांडेय

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पितामह पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी की जयंती पर प्रेस क्लब और छत्तीसगढ़ मित्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में रांची से आए प्रोफेसर जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि पं त्रिवेदी ने महावीर प्रसाद द्विवेदी के सिद्धांतों को पत्रकारिता में अनुपालन किया जिसका परिणाम हुआ कि आज भी छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता में संस्कार हैं। समारोह की अध्यक्षता साहित्य परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने की। प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि प्रो पांडेय ने कहा कि पं त्रिवेदी ने छत्तीसगढ़ कैसा हो, इसकी कल्पना अपनी कविता में की थी। वे आजादी के पहले, आजादी के बाद और छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद के समय के साक्षी रहे हैं। उनका लेखन समाजोपयोगी रहा है इसलिए आज भी वे प्रासंगिक हैं।

समारोह में साहित्य परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि आजादी के पहले पं त्रिवेदी ने विकास की पत्रकारिता की। वे इतिहास के साक्षी रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ शाहिद अली ने विस्तार से पं त्रिवेदी के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि उन्हें अपने स्वतंत्रता सेनानी से संस्कार मिले। ग्रामीण पत्रकारिता के विकास में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। वे एक संस्था की तरह लोगों को प्रशिक्षित करते चले गए। वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने कहा कि पत्रकारिता की आज की परंपरा में जो कुछ अच्छा है, यह उनकी देश है। तीन पीढ़ियों को उनके साथ काम करने का अवसर मिला। डॉ सुशील त्रिवेदी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए उन्हें साहित्य और पत्रकारिता का सेतु बताया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि आज की पीढ़ी को पं त्रिवेदी के लेखन से सीखना चाहिए।

डिजिटल गवर्नेंस, उभरती तकनीकों, कृषि समृद्धि और नेतृत्व विकास पर मंथन

विश्व केसरी■

रायपुर। चिंतन शिविर 3.0 का उद्देश्य शासन-प्रशासन को अधिक प्रभावी, आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के लिए दूरदर्शी नीति-निर्माण की मजबूत आधारशिला तैयार करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा आईआईएम रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मंत्रिमंडल चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने शासन के विभिन्न आयामों पर व्यापक मंथन करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि चिंतन शिविर

केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि शासन की कार्यसंस्कृति में निरंतर सुधार और नवाचार का माध्यम बन चुका है। पिछले दो संस्करणों से प्राप्त सुझावों को सरकार ने प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन में तकनीक, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसरोकारों को केंद्र में रखकर आगे बढ़ना ही इस शिविर का मूल उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि चिंतन शिविर 3.0 के प्रथम दिवस में नेतृत्व विकास, सुशासन, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा कृषि समृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। प्रसिद्ध आध्यात्मिक चिंतक गौर गोपाल दास ने नेतृत्व, भावनात्मक संतुलन, सेवा-भाव और जनप्रतिनिधियों के नैतिक दायित्वों पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूल्य-आधारित नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन को प्रभावी सुशासन की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

संपादकीय

नकटी की पीड़ाः विकास का रास्ता संवेदनाओं से होकर भी गुजरता है

आर.पी. दुबे

रायपुर के ग्राम नकटी में विधायक आवास परियोजना के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई ने पूरे छत्तीसगढ़ में एक गंभीर बहस छेड़ दी है। प्रशासन का दावा है कि सरकारी भूमि को खाली कराकर सार्वजनिक परियोजना के लिए उपलब्ध कराया गया, जबकि प्रभावित ग्रामीणों का कहना है कि उनके आशियाने उजड़ गए और पुनर्वास की व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी। इस पूरे घटनाक्रम ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या विकास की कीमत आम नागरिकों के सिर से छत छीनकर चुकाई जानी चाहिए।

कानून के शासन में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे को हटाना प्रशासन का अधिकार ही नहीं, बल्कि दायित्व भी है। यदि सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता है, तो प्रशासन कार्रवाई करने से पीछे नहीं हट सकता। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था केवल कानून के पालन से नहीं चलती, बल्कि न्याय, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनशीलता से भी संचालित होती है।

नकटी की कार्रवाई इसलिए विवादों में आई क्योंकि बड़ी संख्या में परिवार बेघर हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त समय और संतोषजनक पुनर्वास नहीं मिला, जबकि प्रशासन का कहना है कि वैकल्पिक आवास की व्यवस्था की गई थी। इसके बाद विरोध, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस कार्रवाई ने मामले को और अधिक संवेदनशील बना

दिया।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यदि लोग वर्षों से उस भूमि पर रह रहे थे, बिजली-पानी जैसी सुविधाओं का लाभ ले रहे थे और सरकारी योजनाओं से जुड़े थे, तो प्रशासन ने पहले ही स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की? यदि प्रारंभिक स्तर पर अतिक्रमण रोका जाता, तो आज इतनी बड़ी कार्रवाई और सामाजिक तनाव की नौबत शायद नहीं आती। यह प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही का भी विषय है।

विकास परियोजनाएं किसी भी राज्य की आवश्यकता हैं। नए संस्थान, सड़कें, आवास और सार्वजनिक ढांचे भविष्य की जरूरत हैं। लेकिन विकास का मॉडल ऐसा होना चाहिए जिसमें प्रभावित लोगों के सम्मान और अधिकार सुरक्षित रहें। पुनर्वास केवल मकान देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

नकटी का घटनाक्रम सरकार और प्रशासन दोनों के लिए एक सीख है। कानून का पालन आवश्यक है, लेकिन उसकी प्रक्रिया इतनी मानवीय हो कि किसी नागरिक को यह महसूस न हो कि विकास उसके जीवन पर भारी पड़ गया। लोकतंत्र की असली पहचान यही है कि वह कमजोर से कमजोर व्यक्ति के अधिकारों की भी रक्षा करे।

नकटी की घटना केवल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशीलता की परीक्षा है। यदि सरकार विकास और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन स्थापित कर पाती है, तभी ऐसी परियोजनाएं जनता का विश्वास जीत सकेंगी। कानून का सम्मान और नागरिकों का सम्मान—दोनों साथ-साथ चलें, यही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है।

श्रद्धांजलि

तीजन बाई की आत्मा थी पंडवानी

गिरीश पंकज

पंडवानी की महान गायिका तीजन बाई अब नहीं रहीं। यह एक ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी हो ही नहीं सकती. छत्तीसगढ़ की अनेक लोककलाओं में 'पंडवानी' का अपना विशिष्ट स्थान है। यहाँ के लोक कलाकार अपने-अपने स्तर पर विभिन्न कलाओं की खुशबू बिखेर रहे हैं। लेकिन इन सभी में तीजनबाई का अपना अलग रंग था । उनके कहन का अपना अलग ढंग रहा । हम कह सकते हैं कि लोकराग तीजन की आत्मा का हिस्सा थी । लोक तीजन के अंतस में साँसें लेता था । उनकी दैहिक भाषा में लोक निरंतर हिलोरें मारते हुए सम्वादरत रहता था । नागर जीवन की गायिकाओं का अपना महत्व हो सकता है लेकिन लोकजीवन से अनुप्राणित इस कलाकार का प्रस्तुतीकरण एक अलग किस्म का सम्मोहन पैदा करता था। तीजनबाई पंडवानी गायन करने जब मंच पर खड़ी होती और कहती थी , 'बोलव वृंदावन बिहारीलाल की जय ', तो ऐसा लगता है, मानो समूचे लोक का आलोक हमारे सामने मंचस्थ हो गया है । जब तीजन हाथ में तम्बूरा लेकर महाभारत के विभिन्न पात्रों की कथा पेश करती थी,तो पलक झपकते उन पात्रों में रूपांतरित भी होती चली जाती थी । जब वह भीम का पात्र करने लगती तो उनकी आंगिक भंगिमाएं और स्वरों का आरोह-अवरोह भीम की तरह ही हो गया है। द्रौपदी की पीड़ा, उसका आक्रोश भी जैसे सम्मुख रूपायित दृष्टव्य होता। तीजन पंडवानी पेश करते हुए फिर तीजन नहीं रह जाती थी, वह अपने आप में समूची महाभारत बन जाती थी । सामने बैठा दर्शक मंत्रमुग्ध होकर तीजन के पंडवानी को देखता, तब उसे लगता था कि वह महाभारत काल में पहुँच गया है और 'संजय' की तरह वह अपने सामने परिदृश्य को घटित होते हुए देख रहा है । उनका अप्रतिम अभिनय, उनका जीवंत संवाद और मंच पर घूमते हुए अभिनय करने की खास शैली ने उन्हें तीजनबाई बनाया था ।

आकाशवाणी रायपुर के लिए तीजन से साक्षात्कार का अवसर भी एक बार मुझे मिला था, तब एक सुखद अनुभूति मुझे हुई थी। एक रोमांच हुआ कि मुझे तीजनबाई से बात करनी है। साक्षात्कार के बहाने तीजन को बहुत निकट से देखने - सुनने और समझने का अवसर मिला । लोक-संस्कृति और उसकी परंपराओं पर अनेक महत्वपूर्ण बातें उस वक्त हुई थीं। उस वक्त भी तीजन एक बड़ी कलाकार के रूप में विश्वविख्यात हो चुकी थी लेकिन जो सरलता-सहजता मैंने तीजन में देखी, उसके कारण मैं अभिभूत था ही। बाद में तीजन को पद्मश्री मिली। उन्हें पद्मभूषण से भी अलंकृत किया गया। उनको संगीत नाटक अकादमी का सम्मान भी मिला. उन्हें नृत्य शिरोमणि की उपाधि से भी अलंकृत किया गया. किसी कारणवश पढ़ाई न कर पाने वाली तीजन बाई को बिलासपुर विश्वविद्यालय ने तो डिलीट की मानद उपाधि से भी सम्मानित कर दिया गया। मतलब फिर वे डॉक्टर तीजन बाई भी हो गई। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान था. कला की निरंतर साधना किसी भी व्यक्ति को फर्श से अर्श तक पहुँचा देती है । इसका अगर कोई जीवंत उदाहरण पेश करना हो तो हम तीजनबाई का नाम ले सकते हैं । कई बार यह भी सोचता हूं कि ये तमाम सम्मान तीजन को न भी मिले होते, तो क्या तीजनबाई तीजनबाई नहीं रहती? मेरे ख्याल से तब भी वह लोक में वैसी ही

पूरी दुनिया में जब छत्तीसगढ़ का जिक्र होता है तो तीजन का नाम अपने आप जुबान पर आ जाता है। पंडवानी की गायन की कापालिक शैली के सहारे उन्होंने एक अभिनव शुरुआत की।

पंडवानी की दो शैलियां हैं। एक वेदवती शैली है, जिसमें पंडवानी गायन बैठकर किया जाता है, जिसके एक बड़े गायक झाडूराम देवांगन थे।

प्रतिष्ठित रहती, जैसी आज हैं, अब इस असार-संसार से जाने के बाद भी रहेंगी । वे हमेशा की तरह अपनी प्रतिभा से सबको अभिभूत किए रखती थीं तीजन किसी परिचय की मोहताज नहीं रहीं । उन्होंने विश्व पटल पर छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया । तीजन अपने आप में लोक कला की एक स्कूल रही । आज भी सैकड़ों लोग उनकी नकल करते रहते हैं। नकल करने वाले तीजनबाई तो नहीं हो सकते लेकिन वे जो कुछ भी है, तीजन के कारण ही तो हैं। और यह अच्छी बात है कि एक कलाकार अपनी प्रतिभा के कारण अपने पूरे समय को इतना प्रभावित कर देता है कि पूरी एक पीढ़ी उसका अनुकरण करने लग जाती है। इसी का सुपरिणाम है कि बाज़ारवादी दौर में भी जब सारी कलाएं आहत हो कर खत्म हो रही हैं , तब तीजन जैसी प्रतिभा के कारण गाँव-गाँव में अनेक पंडवानी कलाकार पैदा हो रहे हैं।

पूरी दुनिया में जब छत्तीसगढ़ का जिक्र होता है तो तीजन का नाम अपने आप जुबान पर आ जाता है। पंडवानी की गायन की कापालिक शैली के सहारे उन्होंने एक अभिनव शुरुआत की।

पंडवानी की दो शैलियां हैं। एक वेदवती शैली है, जिसमें पंडवानी गायन बैठकर किया जाता है, जिसके एक बड़े गायक झाडूराम देवांगन थे। कापालिक शैली में खड़े होकर पंडवानी गायन किया जाता है। तीजन ने इसी शैली को आत्मसात किया और उन्होंने पंडवानी को एक वैश्विक पहचान दे दी। तीजन बाई पंडवानी गायन की शुरुआत की, तब वह पढ़ी-लिखी बिल्कुल नहीं थी। बाद में वह अपने हस्ताक्षर भी कर लेती थी । और इधर-उधर पूरी दुनिया में कार्यक्रम पेश करने के कारण तीजनबाई अपनी बातों को बहुत मंजे हुए कलाकार की तरह प्रस्तुत करती रही । तेरह- चौदह साल की उस बच्ची का चेहरा हम याद करें, जिसने पहली बार पंडवानी गायन की शुरुआत की थी। शुरुआत उन्होंने वेदमती शैली में गायन करके किया था, लेकिन तीजन का जो व्यक्तित्व था, उसके अनुरूप उन्हें वह शैली पसंद नहीं आई तो उन्होंने खड़े होकर पंडवानी गायन करने वाली कापालिक शैली का सहारा लिया। और हम सब ने देखा कि किस तेजी के साथ तीजनबाई पंडवानी गायन में सफल होती चली गई । तीजन बाई को लेकर अगर हम कहें कि वह छत्तीसगढ़ के जनजीवन में रची-बसी स्त्री का प्रतिनिधित्व करती थीं , तो यह गलत न होगा।

ह्यह्य अब तो तीजन से प्रभावित होकर गाँवों की कुछ लड़कियां भी इस क्षेत्र में आगे आकर अपना नाम कमा रही हैं। हम यह कह सकते हैं कि तीजन ने ग्रामीण महिलाओं को भी हौसला दिया कि वह भी कुछ बेहतर कर सकती हैं। इसी का सुपरिणाम हुआ कि कुछ प्रतिभाएं सामने आई और आज वे तीजन की परंपरा को ही आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। भले ही वे सब तीजन की तरह लोकप्रिय न हो पाई हों, फिर भी संतोष की बात है कि उन सब ने पंडवानी गायन को लेकर एक संभावना जाग्रत की, जिसके कारण आज यह कला जीवित है और बहुत सुंदर ढंग से पुष्पित-पल्लवित हो रही है।

तीजन का सुंदर पहरावा खासकर उनकी लाल साड़ी। लुगरा,उनकी वेशभूषा, सजा - सँवरा तंबूरा, गले मे पड़ी बहुरंगी माला, मांग में सिंदूर, माथे पर चौड़ा लाल टीका... इन सबके साथ जब तीजन मंच पर अवतरित होती थी , तो दर्शक सहसा एक भव्य व्यक्तित्व से रूबरू होने लगता था, और कुछ पलों में ही जैसे समूची फिल्म सामने चलने लगती। महाभारत के महत्वपूर्ण दृश्य क्रमशः मंच पर आकार लेने लगते । फिर तीजन तीजन नहीं रह जाती, वह महाभारत में तब्दील हो जाती हैं। छोटे से ग्राम गनियारी (भिलाई) में पली-बढ़ी तीजनबाई अपनी प्रतिभा के बल पर कहाँ-से-कहाँ पहुँच गई। अगर हम उन को लोकगायन का कंठहार भी कहें तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। तीजन अब हमारे बीच में सशरीर नहीं रही,लेकिन लोक स्मृति में वह चिरकाल तक बनी रहेंगी. जब भी पंडवानी का जिक्र होगा, सबके होठों पर एक ही नाम आएगा और वह होगा : तीजन बाई.. तीजन बाई। उनको शत-शत नमन!

छत्तीसगढ़ की वैश्विक अस्मिता की नायिका : तीजन बाई

डॉ सुधीर शर्मा

आज छत्तीसगढ़ ने अपनी वह स्वर-साधिका खो दी, जिसने अपनी बुलंद आवाज़, अद्भुत अभिनय और अप्रतिम लोक-प्रतिभा से न केवल पंडवानी को नया जीवन दिया, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को विश्व मंच पर स्थापित किया। पद्म विभूषण से सम्मानित लोकगायिका डॉ. तीजन बाई का निधन केवल एक कलाकार का अवसान नहीं है, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति के एक उज्ज्वल अध्याय का विराम है।

तीजन बाई का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। दुर्ग जिले के गनियारी ग्राम में जन्मी इस असाधारण लोक कलाकार ने अत्यंत साधारण परिस्थितियों से अपनी यात्रा आरम्भ की। बचपन में अपने नाना से महाभारत की कथाएँ सुनते-सुनते उनके भीतर पंडवानी का बीज अंकुरित हुआ। उन्होंने कठिन संघर्षों के बीच अपनी साधना जारी रखी और समाज की रूढ़ियों को चुनौती देते हुए पंडवानी की कापालिक शैली में प्रस्तुति देने वाली पहली महिला कलाकार बनीं। यह केवल कला का परिवर्तन नहीं था, बल्कि स्त्री अस्मिता और आत्मविश्वास की भी ऐतिहासिक घोषणा थी।

तीजन बाई ने महाभारत को केवल गाया नहीं, बल्कि उसे मंच पर जीवंत कर दिया। उनके हाथ का तंबूरा कभी भीम की गदा बन जाता, कभी अर्जुन का रथ और कभी द्रौपदी की वेदना। उनकी वाणी में लोक का दर्द था, अभिनय में महाकाव्य का वैभव और प्रस्तुति में भारतीय संस्कृति की विराटता। दर्शक केवल श्रोता नहीं रहते थे; वे स्वयं महाभारत के पात्रों के साथ

चलने लगते थे।

लोक रंगकर्मी हबीब तनवीर की दृष्टि जब तीजन बाई पर पड़ी, तब उनकी कला को राष्ट्रीय पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने देश ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में पंडवानी की प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उन्होंने सिद्ध किया कि लोककला किसी क्षेत्र की सीमा में बंधी नहीं होती; उसकी संवेदना सार्वभौमिक होती है। उनकी कला-साधना को भारत सरकार ने पद्मश्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, पद्म भूषण और अंततः पद्म विभूषण से सम्मानित किया। अनेक विश्वविद्यालयों ने उन्हें मानद उपाधियाँ प्रदान कीं। परंतु इन सम्मानों से कहीं अधिक बड़ा सम्मान वह प्रेम था, जो उन्हें करोड़ों श्रोताओं और दर्शकों से मिला।

तीजन बाई छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता की जीवित प्रतीक थीं। उन्होंने यह स्थापित किया कि लोककला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की स्मृति, संस्कृति और आत्मा की वाहक होती है। उन्होंने नई पीढ़ी को अपनी लोकपरंपराओं पर गर्व करना सिखाया और यह विश्वास जगाया कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी विश्व पटल पर सम्मान प्राप्त किया जा सकता है। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब उनका स्वर, उनकी शैली और उनकी सांस्कृतिक चेतना सदैव जीवित रहेगी। आने वाली पीढ़ियाँ जब भी पंडवानी का नाम लेंगी, तीजन बाई का स्मरण श्रद्धा और गर्व के साथ करेंगी। वे केवल एक कलाकार नहीं थीं; वे छत्तीसगढ़ की आत्मा की आवाज़ थीं।

छत्तीसगढ़ की धरती अपनी इस महान लोकनायिका को शत-शत नमन करती है। भारतीय लोकसंस्कृति सदैव उनकी ऋणी रहेगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करे तथा उनके परिजनों, शिष्यों और असंख्य प्रशंसकों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

बोध कथा

निंदा का फल

एक बार की बात है की किसी राजा ने यह फैसला लिया के वह प्रतिदिन 100 अंधे लोगों को खीर खिलाया करेगा। एक दिन खीर वाले दूध में सांप ने मुंह डाला और दूध में विष डाल दी और ज़हरीली खीर को खाकर 100 के 100 अंधे व्यक्ति मर गए। राजा बहुत परेशान हुआ कि मुझे 100 आदमियों की हत्या का पाप लगेगा।राजा परेशानी की हालत में अपने राज्य को छोड़कर जंगलों में भक्ति करने के लिए चल पड़ा, ताकि इस पाप की माफी मिल सके। रास्ते में एक गांव आया। राजा ने चौपाल में बैठे लोगों से पूछा की क्या इस गांव में कोई भक्ति भाव वाला परिवार है ? ताकि उसके घर रात काटी जा सके।चौपाल में बैठे लोगों ने बताया कि इस गांव में दो बहन भाई रहते हैं जो खूब बंदगी करते हैं। राजा उनके घर रात ठहर गया। सुबह जब राजा उठा तो लड़की सिमरन पर बैठी हुई थी। इससे पहले लड़की का रूटीन था की वह दिन निकलने से पहले ही सिमरन से उठ जाती थी और नाश्ता तैयार करती थी। लेकिन उस दिन वह लड़की बहुत देर तक सिमरन पर बैठी रही।जब लड़की सिमरन से उठी तो उसके भाई ने कहा की बहन तू इतना लेट उठी है ,अपने घर मुसाफिर आया हुआ है।इसने नाश्ता करके दूर जाना है। तुझे सिमरन से जल्दी उठना चाहिए था। तो लड़की ने जवाब दिया कि भैया ऊपर एक ऐसा मामला उलझा हुआ था। धर्मराज को किसी उलझन भरी स्थिति पर कोई फैसला लेना था और मैं वो फैसला सुनने के लिए रुक गयी थी, इस लिए देर तक बैठी रही सिमरन पर। उसके भाई ने पूछा ऐसी क्या बात थी। तो लड़की ने बताया कि फलां राज्य का राजा अंधे व्यक्तियों को खीर खिलाया करता था।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

चढ़ावा चोरी में मचा शोर

रविंद्र गिन्नोरे

मंदिर में भगवान को चढ़ाया घन चोरी हो गया। भई ! ये तो कलयुग है, चोर भगवान को भी नहीं छोड़ते। खैर..! चोरी पकड़ी गई और चोर पुलिस के हत्थे चढ़ गये। बड़े आश्चर्य की बात है जो भगवान को नहीं मानते वे बड़े दुखी हो रहे हैं। सुबह से शाम तक आँसू बहते दिख रहे हैं। अखबार में बयान दे रहे हैं। टीवी समाचार में छाए हुए हैं। सोशल मीडिया की रील में आंसू बहाते नज़र आ रहे हैं। ऐसे नास्तिक बोल रहे हैं कि मंदिर का चढ़ावा चोरी करना बहुत बड़ा अपराध है। पुलिस जाँच कर रही है। मगर नास्तिक कह रहे हैं कि चोरी कैसे हो गई!वे भी चढ़ावा चोरी की तफ्तीश में लग गए। उल्टी गंगा का बहता शोर नास्तिकों के मुंह कान से फूट पड़ा है।

मंदिर में चोरी का समाचार सुनकर बड़े बड़े दानदाता भी बहती गंगा में हाथ धोने लगे। लगे हाथ अपने दान का बखान करने लगे। एक चिल्लाया मेरा हीरे-जवाहरात से जड़ा सोने का कौव्वा कहां गया ? पता लगाओ मेरा कौव्वा किसने चुराया। दो क्विंटल चांदी देने वाले सामने आ डटे, हमारी चाँदी की सिल्लियाँ भी चोरी हो गई। एक अपने दान में दिए घंटा की खोज खबर ले रहा है। मंदिर में बैठे भगवान अपने भक्तों को देख रहे हैं। जो भगवान को भगवान नहीं मानते उन नास्तिकों का गाल बजाना भी सुन रहे है। धनवान दानियों को भी देख समझ रहे हैं, जिन्होंने अपना पेट काट काट कर मंदिर में दान दिया है। सब के सससुर में होने वाले सियापा को देख सुनकर भगवान मौन हैं। जिनकी लाठी में आवाज नहीं होती लेकिन देर सबेर न्याय जरूर करते हैं और भरपूर न्याय करते हैं। साजिश, षडयंत्र कैसा भी हो, कौन-कौन दुखी हैं और कौन लोगों को बरगला कर अराजकता फैलाना चाहते हैं यह सब जानते हुए भगवान फिलहाल मौन है. चढ़ावा चोरी के लिए बेवजह गाल बजाने को भी फल मिलेगा क्योंकि वह कर्म कर रहा है। धनी दानदाताओं को उसके बेशकीमती दान कर्म का फल मिलेगा क्योंकि कर्म की गति न्यारी है। चोर को कानून के तहत दंड मिल रहा है।

मंदिर में हुई चोरी के बाद चोर का नाम तो आएगा ही। मगर जिनका कोई वास्ता नहीं वे अपना प्रचार क्यों कर रहें हैं। चोर का काम चोरी करता है वह कभी अपनी असलियत जाहिर नहीं करता। दानदाता. समाज में अपना मान बढ़ाने के लिए बड़ा बड़ा दान करते है। नास्तिक देवता के अस्तित्व को नकारते हुए गाल बजाते है। लगे हाथ वकीलों के संघ ने ऐलान कर दिया कि चढ़ावा चोरी करने वालों के लिए वकालत नहीं करेंगे।

बहरहाल, भगवान के चढ़ावा चोरी के बहाने स्वार्थी अपने अपने वर्चस्व के लिए जी जान से जुटे हुए हैं। कहा भी गया है कर्म हीन नर गति नहीं पाते और दुर्गति करने वाले को भी उपर वाला बराबर देखता है।

ravindraginnore58
@gmail.com

इतिहास

आज (5 जुलाई) के दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक घटनाएं दर्ज हैं। 1996 में आज ही के दिन स्कॉटलैंड के वैज्ञानिकों ने वयस्क कोशिका से स्तनधारी जीव 'डॉली' (भेड़) का क्लोन बनाकर विज्ञान की दुनिया में तहलका मचा दिया था। वहीं, 1811 में वेनेजुएला ने स्पेन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी ?5 जुलाई से जुड़ी कुछ मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं इस प्रकार हैं:1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इतिहास की सबसे बड़ी टैंकों की लड़ाई 'कुर्स्क का युद्ध' (Battle of Kursk) शुरू हुई थी ?1950: कोरियाई युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में पहली बार उत्तर कोरियाई सैनिकों का सामना किया था ?1975: 'केप वर्दे' (Cape Verde) ने पुर्तगाल से अपनी आजादी हासिल की थी ?1995: आर्मेनिया में नए संविधान को अंगीकार किया गया था ?आज के दिन जन्मे प्रमुख व्यक्ति:1904: अमेरिकी जीवविज्ञानी और प्रकृतिवादी अर्न्स्ट मेयर (Ernst Mayr) का जन्म हुआ था।

रोटरी क्लब ऑफ़ बिलासपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमित चक्रवर्ती ने समीक्षा बैठक की

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। रोटरी क्लब बिलासपुर के नव-निर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन अमित चक्रवर्ती ने वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत अपनी पहली साप्ताहिक बैठक की अध्यक्षता भी की। अपने संबोधन में उन्होंने सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्ष भर संचालित किए जाने वाले विभिन्न सेवा प्रकल्पों की घोषणा की।

उन्होंने विशेष रूप से मेगा रक्तदान शिविर एवं संपूर्ण स्वास्थ्य जांच शिविर, वृहद पौधारोपण जुलाई माह में आयोजित किए जाने वाले पौधारोपण अभियान की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए इसकी प्रारंभिक योजना तैयार की गई।

क्लब द्वारा डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे (सीए डे) उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर क्लब के सभी सम्मानित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का उनके समाज एवं राष्ट्र निर्माण में दिए जा रहे उत्कृष्ट योगदान के लिए पुष्पगुच्छ एवं सम्मान स्वरूप अभिनंदन किया गया। समय की पाबंदी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंक्चुअलिटी लकी ड्रॉ आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता के

अभियान तथा अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों को क्लब की प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में प्रस्तुत किया तथा सभी सदस्यों से इन परियोजनाओं में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

बैठक में क्लब के 37 सदस्यों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही, जिसने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी एवं क्लब के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

आज की इस बैठक के प्रमुख बिंदु को आगामी सेवा प्रकल्पों पर चर्चा की गई, जिसमें प्रमुख तौर पर पूर्व के विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।वाटर कूलर स्थापना एवं ऑक्सीजन कंसंट्रेटर परियोजना की जानकारी पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन पवन नालोटिया द्वारा प्रस्तुत की गई।

विजेता पीपी रोटेरियन राजकुमार शर्मा रहे।

जिन्हें समय पर उपस्थित होने के लिए सम्मानित किया गया। सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्लब में अनुशासन एवं सौहार्द बढ़ाने वाला प्रयास बताया। बैठक का समापन अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग, उत्साहपूर्ण सहभागिता तथा रोटरी के 'सेवा ही सर्वोपरि' के आदर्शों के प्रति समर्पण के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर क्लब के सचिव रोटेरियन रंजीत पाल सिंह बाली एवं कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव भारद्वाज एवं क्लब के पूर्व प्रांतपाल रोटेरियन डॉ आर ए शर्मा जी एवं एस पी चतुर्वेदी एवं सभी वरिष्ठ रोटेरियन उपस्थित थे।

2022 से किराया नहीं चुकाने वाले 19 बस संचालकों के कार्यालयों पर जड़े ताले

हाईटेक बस स्टैंड में नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। नगर पालिक निगम बिलासपुर ने राजस्व वसूली अभियान के तहत शुक्रवार को तिफरा स्थित हाईटेक बस स्टैंड में बड़ी कार्रवाई करते हुए किराया बकाया रखने वाले बस संचालकों के कार्यालयों पर ताला बंद कर दिया। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर जोन क्रमांक-2 एवं अतिक्रमण शाखा की संयुक्त टीम ने बस स्टैंड परिसर में स्थित 19 दुकानों-कार्यालयों को सील कर दिया।

वर्ष 2022 में हाईटेक बस स्टैंड नगर निगम के अधीन आने के बाद परिसर में संचालित दुकानों एवं कार्यालयों का किराया नियमित रूप से निगम को जमा किया जाना था। इसके बावजूद संबंधित बस संचालकों द्वारा लगातार किराया जमा नहीं किया गया। नगर निगम द्वारा समय-समय पर सूचना एवं भुगतान के लिए अवसर दिए जाने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं करने पर यह कार्रवाई की गई।

नगर निगम के अनुसार संबंधित बस संचालकों पर लगभग एक करोड़ रुपये का किराया बकाया है। ये दुकानें एवं कार्यालय बस संचालन एवं टिकट बुकिंग सहित अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जा रहे थे। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक समस्त बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा, तब तक इन कार्यालयों पर ताला बंदी की कार्रवाई जारी रहेगी।

निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने कहा कि नगर निगम की संपत्तियों से प्राप्त होने वाले राजस्व की सुरक्षा और वसूली सर्वोच्च प्राथमिकता है। निगम की आय को प्रभावित करने वाले किसी भी बकायादार के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी बकायादारों से शीघ्र बकाया राशि जमा करने की अपील करते हुए कहा कि अन्यथा आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई जिन बस संचालकों के विरुद्ध की गई उनमें सोहेल शर्मा (वंदे भारत बस सर्विस), सहनवाज खान, अली अहमद (राजधानी बस सर्विस), अरुण लाट (सर्वमंगला बस सर्विस), जितेंद्र यादव, हनुमान ट्रैवल्स, अली राजा (कैपिटल बस सर्विस) गुरदीप सिंह (कस्तूरिया बस सर्विस),नीलिमा दुबे (दुबे ट्रैवल्स)इस्तियाक अहमद(आदर्श बस सर्विस), भोला प्रसाद(आशीष ट्रैवल्स)शिव ठाकुर, भंजन सिंह(यश ट्रैवल्स, हितेश ट्रैवल्स) हरवेश सिंह जुनेजा (जुनेजा बस सर्विस) नीरज राय(रितिका बस सर्विस), अखिलेश पाठक, लक्की यादव तथा राकेश खुरेज (जयेश बस सर्विस) शामिल हैं।

सूरजपुर में खदान धंसी दबकर 2 मजदूरों की मौत

विश्व केसरी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में अवैध खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के लांची गांव स्थित एक अवैध खदान में खुदाई के दौरान अचानक विशाल चट्टान भरभराकर गिर गई। मलबे में दबने से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मजदूर खदान में खुदाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक चट्टान टूटकर उनके ऊपर आ गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। राहत और बचाव अभियान चलाकर दोनों शवों को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस खदान में हादसा हुआ, वहां अवैध रूप से खनन किया जा रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि खदान का संचालन कौन कर रहा था और इसके पीछे किन लोगों की भूमिका थी।

इस हादसे ने एक बार फिर जिले में चल रहे अवैध खनन और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अग्र सम्मेलन के नए पदाधिकारीयो को विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिलाई शपथ

विश्व केसरी

रायपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, छत्तीसगढ़ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम कार्यकारिणी बैठक रविवार को मैक कॉलेज परिसर समता कॉलोनी में संपन्न हुई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल के साथ मंच पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल , राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नाथूराम जैन अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सोहनलाल मित्तल राष्ट्रीय संरक्षक विनीत लोहिया, सुरेश गोयल , राष्ट्रीय संरक्षक विजय गुप्ता, समाजसेवी अशोक गुप्ता उद्योगपति विजय गुप्ता समाज के छत्तीसगढ़ प्रभारी ईश्वर प्रसाद अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार अग्रवाल प्रदेश महामंत्री कर्तव्य अग्रवाल और महेश अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे। जहां विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह जी के द्वारा नव नियुक्त पदाधिकारीयो को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन शपथ ग्रहण समारोह में पदाधिकारी को शपथ दिलाने के बाद अग्रवाल सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधानसभा में अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि, समाजवाद के पहले प्रणेता अग्रसेन महाराज जी थे और उन्ही के बताएं मार्ग पर अग्रवाल समाज देश और राज्य मे चल रहे है। देश की अर्थव्यवस्था हो चाहे छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था हो व्यवसाय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में समाज बढ़ चढ़कर आगे कार्य कर रहा है। समाज के नए पीढ़ियों से भी बहुत उम्मीद है। छत्तीसगढ़ के विकास में प्रदेश के अग्रवाल समाज के बंधुओ का बहुत बड़ा योगदान है। समाज के पदाधिकारीयो को सबको साथ लेकर चलने की जरूरत होगी तभी समाज आगे बढ़ सकेगा और समाज का विकास होगा। सभी पदाधिकारी को उन्होंने बधाई दी।

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समाज को जो आगे बढाने का कार्य किया है हमें आगे ले जाना है सभी अग्रवाल समाज के पदाधिकारीयो को बधाई देते हुए समाज के लिए आगे बेहतर कार्य करने की बात कही।

.सामाजिक कुरीतियों पर लगाएंगे लगाम... मित्तल

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने कहा कि आगामी 5 साल की कार्य योजना तैयार की गई है। जिसमें अग्रवाल समाज को छत्तीसगढ़ और भारतवर्ष ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में एकत्रित करना है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि अग्रवाल समाज पे किसी भी तरह की तकलीफ आती है तो उसके लिए समाज पूरी शक्ति के साथ प्रभावित परिवार के साथ खड़ा रहेगा । समाज में फैली कुरीतिया प्री वेडिंग शूट, फोटो वीडियो और दहेज प्रथा को खत्म करने का कार्य किया जायेगा । नशा खोरी मदिरापान पर रोक घर मे दुखद घटना होने से सामाजिक भोज ना हो।

सोनबरसा जंगल में चला हरियाली का महाअभियान

विश्व केसरी

बलौदाबाजार(भुवन पटेल)। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में भारत माता सेवा ट्रस्ट ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए सोनबरसा जंगल में व्यापक बीजारोपण अभियान चलाया। अभियान के तहत आम, इमली, जामुन, बेर, बहेरा, अमलतास सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार प्रजातियों के लगभग 70 से 80 किलोग्राम बीजों का जंगल क्षेत्र में बीजारोपण किया गया। अभियान का उद्देश्य प्राकृतिक रूप से नए वृक्ष तैयार करना, वन क्षेत्र को समृद्ध बनाना तथा आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

जानकारी के अनुसार, ट्रस्ट द्वारा पिछले कुछ दिनों से ग्राम अर्जुनी में 'फल खाओ-बीज बचाओ' अभियान संचालित किया जा रहा था। इस अभियान के दौरान ग्रामीणों ने फलों के बीजों को सुरक्षित एकत्रित कर ट्रस्ट को सौंपा। बाद में इन बीजों को सोनबरसा जंगल में वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक तरीके से बोया गया, ताकि वर्षा ऋतु का लाभ लेकर अधिक से अधिक बीज अंकुरित हो सकें और भविष्य में विशाल वृक्षों का रूप ले सकें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बलौदाबाजार जनपद पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन योगेश वर्मा उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र वर्मा एवं श्रीमती नेहा वर्मा ने सहभागिता निभाई, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत माता सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टेसूलाल धुरंधर ने की।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में टेसूलाल धुरंधर ने कहा कि आज जल, जंगल और जमीन का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने से पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ रहा है।

मनेंद्रगढ़ः मुख्यमंत्री कन्या विवाह में नकली मंगलसूत्र कलेक्टर की जांच में शिकायत सही, डीपीओ दोषी

विश्व केसरी

मनेंद्रगढ़। 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' में बड़ा घोटाला सामने आया है। खड़गवां के चनवारीडांड स्थित महामाया मंदिर परिसर में सामूहिक विवाह में मंगलसूत्र चांदी के नहीं बल्कि 'गिलेट' के बांटे गए थे। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े द्वारा कराई गई उच्च स्तरीय जांच में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरव मिश्रा की शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई है। रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता और नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई है और डीपीओ के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा भी की गई है।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार विवाह में वधुओं को चांदी के मंगलसूत्र देने थे। लेकिन जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा ने चांदी के बदले अन्य धातु के मंगलसूत्र वितरित करवा दिए। दरअसल क्रय समिति ने नोटशीट में स्पष्ट रूप से 'चांदी का मंगलसूत्र' की अनुशंसा की थी, इसके बावजूद बिना सक्षम वित्तीय स्वीकृति के सामान खरीदा गया।

इस मामले की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए:

- नियमों की अनदेखी: कोटेशन तो लिए गए, पर तुलनात्मक पत्रक और कोटेशन खोलने वाली क्रय समिति के हस्ताक्षर और प्रशासनिक अनुमोदन नहीं लिया गया।

भौतिक सत्यापन नहीं: विभाग ने खरीदी गई सामग्री और मंगलसूत्रों का भौतिक सत्यापन ही नहीं कराया, जिससे नकली सामान आसानी से खपा दिया।

राशि में कटौती: विभाग का कहना है कि गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर फर्म की राशि से ?1,000 प्रति मंगलसूत्र काटकर वधुओं के खाते में ?36,000 जमा किए गए।

कलेक्टर ने रिपोर्ट शासन को भेजी, कांग्रेस ने घेरा

कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट अग्रिम दंडात्मक कार्रवाई के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव, नवा रायपुर को भेज दी है। रिपोर्ट में डीपीओ आदित्य शर्मा को वित्तीय नियमों के उल्लंघन और लापरवाही का दोषी माना गया है।

संचालक के प्रेस नोट पर उठाया सवाल

इस मुद्दे को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता सौरव मिश्रा ने कहा कि एक तरफ महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक प्रेस विज्ञप्ति से भ्रष्टाचार छिपा रहे थे, दूसरी तरफ कलेक्टर की रिपोर्ट में शिकायत सच साबित हुई।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों को तत्काल निलंबित कर जेल नहीं भेजा गया ।

राहगीरों को लुट करने वाला गिरोह गिरफ्तार

विश्व केसरी

बलौदाबाजार(भुवन पटेल)। जिले में राहगीरों को निशाना बनाकर मारपीट और लूटपाट की वारदातों को अंजाम देने वाले एक सक्रिय लुटेरा गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान गिरोह के दो वयस्क आरोपियों के साथ विधि से संघर्षरत दो बालकों को भी पकड़ा गया है। आरोपियों पर लवन और सिटी कोतवाली थाना क्षेत्रों में लूट एवं चोरी से जुड़े कुल चार मामलों में संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, लूटा गया मोबाइल फोन तथा अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह का तरीका बेहद शातिर था। आरोपी सुनसान रास्तों पर राहगीरों को

रोककर पहले रास्ता पूछने का बहाना बनाते थे। जैसे ही व्यक्ति रुकता, उसके साथ मारपीट कर उसे डराते-धमकाते और मोबाइल, नकदी तथा अन्य सामान लूटकर फरार हो जाते थे। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से लवन, बलौदाबाजार और आसपास के क्षेत्रों में लोगों में भय का माहौल बन गया था।

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब ग्राम कोनारी निवासी गधेश्वर प्रसाद पटेल ने थाना लवन में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई को दवाई लेने जाते समय कुछ युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने उन्हें रोका और फिर उनके साथ मारपीट कर सैमसंग गैलेक्सी ए03 कोर मोबाइल लूटकर फरार हो गए। शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान की।

पूछताछ में आरोपियों ने न केवल इस वारदात को स्वीकार किया, बल्कि क्षेत्र में हुई अन्य लूट और चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता कबूल की। आरोपियों ने बताया कि वारदात से प्राप्त नकदी आपस में बांटकर खर्च कर देते थे।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि 14 जून को ग्राम धौंधा तालाब के पास एक व्यक्ति से मारपीट कर उसका पर्स, आधार कार्ड, आवश्यक दस्तावेज और सात हजार रुपये लूटे गए थे। 15 जून को पनगांव पेट्रोल पंप के पास एक अन्य व्यक्ति से मारपीट कर एक हजार रुपये लूटे गए। इसके अलावा 24 से 26 जून की दरम्यानी रात ताराशिव गांव में एक घर में घुसकर मारपीट करने तथा नकदी लेकर फरार होने की घटना में भी गिरोह की संलिप्तता पाई गई।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त एसपी शाइन मोटरसाइकिल, लूटा गया सैमसंग मोबाइल तथा एक अन्य पीड़ित का आधार कार्ड बरामद किया है। मामले में विवेचना जारी है और पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गिरोह अन्य घटनाओं में शामिल रहा है या नहीं।

मुड़पार में वन विभाग ने अंधेरे में चलाया बुलडोजर

विश्व केसरी

जांजगीर-चांपा। वन भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग ने तड़के करीब 4 बजे अफरीद मुड़पार गांव में बड़ी कार्रवाई की। डीएफओ के नेतृत्व में पुलिस बल और जेसीबी के साथ पहुंची टीम ने कथित वन भूमि पर बने कुछ मकानों को ध्वस्त कर दिया। ग्रामीणों के विरोध और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद कलेक्टर के निर्देश पर अभियान बीच में रोक दिया गया। अब अन्य अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर मकान खाली करने को कहा गया है।

जनप्रतिनिधियों के पहुंचने से पहले तोड़े मकान

वन विभाग की टीम पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गांव पहुंची और जेसीबी से तीन मकान तोड़ दिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही कार्रवाई कर दी गई। मौके पर बड़ी संख्या में वन अमला और पुलिस बल तैनात था।

विरोध बढ़ने पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया सहित अन्य नेताओं ने कलेक्टर से बात की। कलेक्टर के आदेश पर चांपा एसडीएम पहुंचे और फिलहाल कार्रवाई रोक दी गई।

प्रभावित परिवारों का कहना है कि उन्हें नोटिस तो मिला था, लेकिन वन विभाग ने भरोसा दिलाया था कि बारिश के दौरान छः महीने कार्रवाई नहीं होगी। अचानक सुबह मकान टूटने से परिवार बेघर हो गए हैं। अब उनके सामने रहने और बच्चों की सुरक्षा की समस्या खड़ी हो गई है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने के लिए भारत में ब्रिक्स की बैठक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत इस साल अपनी 'ब्रिक्स' अध्यक्षता के तहत 6-7 जुलाई को केरल के कोच्चि में महिला वर्किंग ग्रुप (डब्ल्यूडब्ल्यूजी) की बैठक की मेजबानी करेगा। महिला वर्किंग ग्रुप की बैठक सदस्य देशों को महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने वाले मुद्दों पर चर्चा करने और आम सहमति बनाने का अवसर प्रदान करेगी।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कोच्चि की बैठक से 8-9 जुलाई को होने वाली 'ब्रिक्स' महिला मंत्री-स्तरीय बैठक के लिए एक मजबूत आधार तैयार होने की उम्मीद है। यह बैठक व्यावहारिक सहयोग और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति 'ब्रिक्स' सदस्य देशों की साझा प्रतिबद्धता को दोहराएगी।

बयान में कहा गया है, ''ब्रिक्स' सदस्य देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी सभी क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने और साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आएंगे।

'ब्रिक्स' संगठन में कुल 11 देश ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। ये सभी मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 40 प्रतिशत योगदान देते हैं।

'ब्रिक्स' देशों में दुनिया की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी रहती है। इस विशाल जनसंख्या में महिलाओं का राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास हर क्षेत्र को प्रभावित करता है, जिससे 'महिला ट्रैक' 'ब्रिक्स' 2026 में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बन गया है।

यह वर्किंग ग्रुप बैठक पहले आयोजित की गई तीन वर्चुअल प्रारंभिक बैठकों के दौरान हुई व्यापक चर्चाओं पर आधारित है। इन चर्चाओं ने सदस्य देशों को कोच्चि में होने वाली बैठकों से पहले बातचीत को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाया है।

2026 में भारत की 'ब्रिक्स' अध्यक्षता 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' थीम पर आधारित है। 'ब्रिक्स' महिला ट्रैक ने चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिनमें महिलाओं की शासन और नेतृत्व में भागीदारी, डिजिटल और वित्तीय समावेशन, उद्यमिता और कौशल विकास और जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा व पोषण में महिलाओं की भूमिका शामिल है।

मार्केट आउटलुकः पहली तिमाही के नतीजे, कच्चा तेल और एफआईआई की चाल से तय होगा शेयर बाजार का रुझान

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे, एफआईआई की चाल, कच्चे तेल की कीमत और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता अपडेट से बाजार का रुझान तय होगा।

अगले हफ्ते से नतीजों का सीजन शुरू हो जाएगा। इस दौरान 9 जुलाई को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी किए जाएंगे। यह तिमाही नतीजे जारी करने वाली पहली बड़ी कंपनियों में से एक होगी।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और कच्चे तेल अगले हफ्ते बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। फिलहाल अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता के चलते हॉर्मज स्ट्रेट खुला हुआ है, जिससे कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर बना हुआ है।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अगले हफ्ते बाजार में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। बीते हफ्ते वे करीब 4,000 करोड़ रुपए की बिकवाली के साथ शुद्ध विक्रेता थे, लेकिन शुक्रवार के कारोबारी सत्र में उन्होंने 1,355.33 करोड़ रुपए का निवेश इक्विटी में किया।

29 जून से 3 जुलाई तक चलने वाला कारोबारी हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए मुनाफेवाला रहा।

इस दौरान सेंसेक्स 663.44 अंक या 0.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,763.91 और निफ्टी 214.85 अंक या 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,270.85 पर था।

लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 394.80 अंक या 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,190.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 384.75 अंक या 2.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,175.10 पर था।

इस दौरान सूचकांकों में सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी रियल्टी (7.81 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (3.11 प्रतिशत) में देखी गई।

भुटान का भारत से ई20 पेट्रोल लेने से इनकार के दावे वाली रिपोर्ट्स को केंद्र ने किया खारिज, कहा- नहीं दिया कोई प्रस्ताव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि भुटान की ओर से भारत से ई20 पेट्रोल लेने से इनकार कर दिया गया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी स्पष्टीकरण में कहा गया, 'ये दावे गलत हैं कि भूटान ने भारत से ई20 पेट्रोल आयात करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया।'

पोस्ट में आगे कहा गया, 'ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की ओर से ऐसा कोई ऑफर नहीं दिया गया है और भूटान को ई20 पेट्रोल निर्यात करने का भी कोई प्रस्ताव नहीं है।'

साथ ही जनता से अपील की कि सही जानकारी के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल वितरक कंपनियों की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

भुटान की ओर से भारत से ई20 पेट्रोल लेने से इनकार करने का दावा करने वाली कई रिपोर्ट्स शनिवार को सामने आई थीं, जिनमें कहा गया कि पड़ोसी देश ने भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) से ई20 (जिसमें 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल होता है) पेट्रोल को आयात करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि भुटान के ई20 पेट्रोल न आयात करने की वजह स्टोरेज से संबंधी चुनौतियां हैं।

इससे अतिरिक्त, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे दावों को पूरी तरह भ्रामक और वैज्ञानिक तथ्यों से परे बताया है।

मंत्रालय ने कहा कि ई20 पेट्रोल वाहनों के लिए नुकसानदायक होने, प्रदूषण बढ़ाने, इंजन खराब करने या एथेनॉल उत्पादन में अत्यधिक पानी की खपत जैसे दावों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वाहन मालिकों को डराने के लिए सोशल मीडिया पर झूठी और निराधार बातें फैलाई जा रही हैं। इन दावों का प्रमुख ऑटोमोटिव अनुसंधान संस्थानों द्वारा किए गए व्यापक तकनीकी अध्ययनों से कोई मेल नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, ई20 पेट्रोल के उपयोग से वाहनों से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है।

देश की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ा

विश्व केसरी ■

मुंबई । देश की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक बढ़ा है। इस तेजी की वजह शेयर बाजार में दोबारा से खरीदारी लौटना है।

29 जून से 3 जुलाई तक चलने वाले कारोबारी हफ्ते में सेंसेक्स 663.44 अंक या 0.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,763.91 और निफ्टी 214.85 अंक या 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,270.85 पर बंद हुआ।

शीर्ष कंपनियों में मार्केटकैप बढ़ोतरी में भारती एयरटेल सबसे आगे रहा। इस दौरान दिग्गज टेलीकॉम कंपनी का मार्केटकैप 36,529.21 करोड़ रुपए बढ़कर 11,63,877.30 करोड़ रुपए हो गया है। बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 33,059.83 करोड़ रुपए बढ़कर 6,43,141.36 करोड़ रुपए हो गया है।

निजी बैंक आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,084.29 करोड़ रुपए बढ़कर 10,11,695.03 करोड़ रुपए हो गया है। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 8,601.99 करोड़ रुपए बढ़कर 5,44,139.55 करोड़ रुपए हो गया है।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,664.89 करोड़ रुपए बढ़कर 12,33,646.33 करोड़ रुपए हो गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मार्केटकैप 6,461.38 करोड़ रुपए बढ़कर 5,17,086.30 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ एलएंडटी का मार्केटकैप 26,572.20 करोड़ रुपए घटकर 5,53,978.63 करोड़ रुपए हो गया है।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 18,945.56 करोड़ रुपए घटकर 17,64,981.36 करोड़ रुपए, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केटकैप 4,846.08 करोड़ रुपए घटकर 9,59,891.92 करोड़ रुपए और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केटकैप 1,031.15 करोड़ रुपए कम होकर 7,57,175.27 करोड़ रुपए हो गया है।साप्ताहिक गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे अधिक बाजार पूंजीकरण वाली लिस्टेड कंपनी है।

इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

होर्मुज स्ट्रेट खुलने का असर, सरकार ने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर लगी आपातकालीन पाबंदियों को हटाया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान लागू किए गए आपातकालीन प्राकृतिक गैस आपूर्ति नियमन आदेश के ज्यादातर प्रावधान वापस ले लिए हैं। सरकार ने यह फैसला अमेरिका-ईरान में सीजफायर के बाद होर्मुज स्ट्रेट से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति फिर से शुरू होने और आपूर्ति की स्थिति में सुधार को देखते हुए लिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक नोटिफिकेशन में 'नेचुरल गैस (सप्लाई रेगुलेशन) ऑर्डर, 2026' में बदलाव किया है। इसके तहत उन मुख्य नियमों को हटा दिया गया है, जिनके जरिए सरकार प्राथमिकता वाले ग्राहकों की सूची के आधार पर देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस और आयातित एलएनजी के बंटवारे को नियंत्रित करती थी।

मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में हालात काफी बेहतर हुए हैं, वहां युद्धविराम लागू है, बातचीत चल रही है और होर्मुज स्ट्रेट से समुद्री आवाजाही फिर से शुरू हो गई है। इस अहम समुद्री रास्ते से शिपिंग बहाल होने से भारत को ईंधन और गैस की सप्लाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज स्ट्रेट से एलएनजी शिपमेंट में रुकावट आने के बाद, 'जरूरी चीजों के कानून' के तहत इमरजेंसी गैस आपूर्ति नियम लागू किए गए थे। यह रुकावट अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच सैन्य टकराव के कारण आई थी, जिससे कुछ एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं को 'फोर्स मेज्योर' का सहारा लेना पड़ा और कार्गो का रास्ता बदलना पड़ा, जिससे भारत में गैस की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई।

गैस सप्लाई पर ये पाबंदियां सरकार द्वारा घरेलू ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए उठाए गए तीन इमरजेंसी कदमों का हिस्सा थीं। बाकी दो कदम पेट्रोकेमिकल यूनिट्स से फीडस्टॉक को हटाकर एलपीजी उत्पादन को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए रिफाइनरों को निर्देश देना और थोक ग्राहकों को डीजल की बिक्री पर रोक लगाना, जिन्हें आपूर्ति की स्थिति सामान्य होने के बाद पहले ही वापस ले लिए गए थे।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है और अपने कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की खपत का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है। देश के कच्चे तेल के आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अहम रास्ता बन जाता है।

हालांकि, रुकावट के दौरान भारत दूसरे उत्पादकों से आपूर्ति लेकर कच्चे तेल की खरीद में विविधता लाने में कामयाब रहा, लेकिन प्राकृतिक गैस का आयात खास तौर पर जोखिम में रहा क्योंकि कतर से आने वाले अधिकतर एलएनजी कार्गो होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं।

ईपीएफओ ने बदले यूएएन एक्टिवेशन के नियम : अब पोर्टल से नहीं होगा काम, जानिए पीएफ खाताधारकों के लिए क्या-क्या बदला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब एक सप्ताह तक चले निर्धारित अपग्रेड के बाद अपना यूनिफाइड मेंबर पोर्टल फिर से शुरू कर दिया है। नए पोर्टल में बेहतर डिजाइन, तेज़ प्रोसेसिंग और अधिक सुरक्षित सुविधाएं जोड़ी गई हैं। हालांकि, इस अपग्रेड के साथ ईपीएफओ ने एक बड़ा बदलाव भी किया है। अब यूएएन (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर) का एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने की सुविधा ईपीएफओ पोर्टल पर उपलब्ध नहीं होगी। इन दोनों सेवाओं को अब सरकार के उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी (एफएटी) के जरिए प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

ईपीएफओ के मुताबिक, यह बदलाव डेटाबेस के एकीकरण और सॉफ्टवेयर के आधुनिकीकरण के तहत किया गया है, ताकि ऑनलाइन सेवाएं पहले से अधिक तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद बन सकें।

नए अपग्रेड के बाद ईपीएफओ ने मेंबर सेवाओं में कई अहम बदलाव किए हैं। अब पोर्टल के जरिए यूएएन एक्टिवेशन नहीं किया जा सकेगा और नया यूएएन भी वेबसाइट से जारी नहीं होगा। दोनों सुविधाएं पूरी तरह उमंग ऐप पर उपलब्ध होंगी। इसके अलावा यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जारी करने के लिए अब आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, जिन सदस्यों का यूएएन भूल गया है, उनके लिए उसे दोबारा प्राप्त करने की प्रक्रिया पहले की तुलना में आसान बना दी गई है।

यदि आपका यूएएन अभी तक एक्टिव नहीं हुआ है, तो अब यह प्रक्रिया उमंग ऐप के माध्यम से पूरी करनी होगी।

सबसे पहले अपने मोबाइल में उमंग ऐप डाउनलोड करें। इसके बाद ऐप खोलकर ईपीएफओ सर्विसेज सेक्शन में जाएं और 'यूएएन सर्विसेज थ्रू फेस ऑथेंटिकेशन' के तहत 'यूएएन एक्टिवेशन' विकल्प चुनें। फिर आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन पूरा करें और स्क्रीन पर दिए गए निर्देशों का पालन करें। प्रक्रिया पूरी होने के बाद आपका यूएएन सक्रिय हो जाएगा।

ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट से नया यूएएन जनरेट करने की सुविधा भी हटा दी है।

2026 के अंत तक भारत में शुरू हो जाएंगे 5 सेमीकंडक्टर प्लांट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत तेजी से सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगा रहा है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में साल 2026 के अंत तक पांच सेमीकंडक्टर प्लांट पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। इससे भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएगा।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार अब तक 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है। इनमें से तीन परियोजनाएं अब व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी हैं, जबकि दो अन्य प्लांट अगले कुछ महीनों में उद्घाटन के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 और 31 मार्च 2026 को देश के पहले और दूसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया था। अब साणंद (गुजरात) स्थित तीसरी सीजी सेमी (ओएसएटी) फैसिलिटी भी व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी है। इससे भारत की सेमीकंडक्टर क्षमता और विश्वसनीयता पर दुनिया का भरोसा ज्यादा मजबूत हुआ है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में एक मजबूत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार हो रहा है, जो विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय गुजरात सरकार के सक्रिय सहयोग और बेहतर क्रियान्वयन को भी दिया। उनके अनुसार, सीजी सेमी प्लांट ने सिर्फ 27 महीनों में भूमिपूजन से लेकर व्यावसायिक उत्पादन तक का सफर पूरा कर लिया, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह प्लांट सिर्फ तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी प्रतीक है। झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर, केरल और गुजरात की कई युवा महिलाएं यहां ऑपरेटर के रूप में काम कर रही हैं। उन्हें विशेष प्रशिक्षण के लिए मलेशिया भी भेजा गया था। भविष्य में इस तरह का विश्वस्तरीय प्रशिक्षण भारत में ही उपलब्ध कराया जाएगा।

इस प्लांट में तैयार होने वाले सेमीकंडक्टर ऑटोमोबाइल, स्कूटर और औद्योगिक उपकरणों में इस्तेमाल होंगे। साथ ही इनका निर्यात जापान, अमेरिका और यूरोप भी किया जाएगा।

फेंकने जा रहे हैं धनिए का बाकी का हिस्सा? रुकिए! इस 1 ट्रिक से घर पर ही मुफ्त में उगाएं बाजार जैसा फ्रेश हरा धनिया

फ्रेश धनिया का भारतीय किचन में एक विशेष स्थान है. जब तक सब्जियों में हरा धनिया ना हो, तब तक कंप्लीट नहीं लगती. चमकीला हरे रंग, सुगंध और एक अंतिम स्पर्श जोड़ती है जो साधारण भोजन को पूर्ण महसूस कराता है. जब आप हरा धनिया लेने बाजार गए होंगे तो कभी कभी धनिए को जड़ समेत दे देते हैं लेकिन यही जड़ आपके घर को हर धनिया से सुंगधित कर सकती है...

हरा धनिया ज्यादातर भारतीय घरों में पाया जाता है. इसकी सुंगध बेकार से बेकार सब्जी को भी खाने लायक बना देती है. सब्जी में चमकीले हरे रंग का स्पर्श मात्र ही साधारण भोजन को पूर्ण महसूस कराता है. लेकिन समस्या यह है कि पहले जो धनिया फ्री में मिल जाता था, अब वह पैसों से मिलता है और वह भी बहुत महंगा. लेकिन अच्छी खबर यह है कि हरे धनिए को घर पर आसानी से उगाया जा सकता है ताकि बाजार के बार-बार चक्कर लगाने से बचा जा सके, हमें फ्रेश पत्तियां मिल सकें, जिससे हर दिन का खाना बनाना थोड़ा आसान हो सके. ज्यादातर घरों में तने से पत्तियों को निकाल लेते हैं और बाकी के हिस्से को फेंक देते हैं लेकिन यही धनिए का तना ही आपको फ्रेश धनिया दे सकता है और वह भी हर दिन...

धनिया का तना ही देगा हर रोज नया धनिया

कोई पौधा लगाते समय हम बीज का इंतजार करते हैं लेकिन हरे धनिया में ऐसा जरूरी नहीं है. आप धनिया को उनके जड़ों से भी दोबारा उगा सकते हैं, जिन्हें हम अक्सर कचरे के रूप में फेंक देते हैं. धनिया को दो सरल तरीकों से उगाया जा सकता है, बीज से या फ्रेश बाजार की गुच्छी की जड़ों से. बीज अधिक पारंपरिक विकल्प हैं और आमतौर पर समय के साथ बढ़ता रहता है. लेकिन अगर आप धनिए को जड़ से उगाते हैं तो यह बीज से जल्दी बढ़ता है और हमेशा फ्रेश भी बना रहता है. लेकिन यह तभी अच्छे से काम करता है जब जड़ें फ्रेश और बरकरार हों. इस विधि से चूंकि जड़ें पहले से ही विकसित होती हैं, वे कुछ ही दिनों में नए अंकुर पैदा करना शुरू कर देती हैं.

मिट्टी वाले छोटे गमले का करें इस्तेमाल

हरे धनिया के लिए आपको एक बड़े कंटेनर की आवश्यकता नहीं है, इसलिए यह बालकनियों और छोटे घरों में आसानी से उग सकता है. अच्छी जल निकासी वाला एक गमला या ग्रो बैग आमतौर पर एक अच्छा विकल्प होता है. मिट्टी ढीली, अच्छी जल निकासी वाली और खाद या वर्मीकम्पोस्ट के साथ मिश्रित होनी चाहिए. अच्छी मिट्टी पौधे को घनी, हरी पत्तियां उगाने में मदद करती है. ध्यान रहे कि धनिया को हमेशा ऐसी जगह उगाएं, जहां पानी जमा ना हो पाए क्योंकि अगर जड़ें गीली रहेंगी तो पौधा जल्दी सड़ जाएगा.

बीज या जड़ें सही ढंग से बोएं

धनिया के बीजों को बोने से पहले हल्का कुचला जा सकता है, क्योंकि प्रत्येक बीज कैप्सूल में दो बीज होते हैं. उन्हें समान रूप से बिखेरें और उन्हें मिट्टी या खाद की एक पतली परत से ढक दें. मिट्टी को नम रखें और इस बीज का अंकुर आमतौर पर 7 से 14 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं. वहीं अगर आप जड़ों का उपयोग कर रहे हैं, तो हेल्दी और फ्रेश जड़ों वाला एक गुच्छा चुनें. पत्तियों का उपयोग करने के बाद, धनिया के तने का लगभग 3-5 सेमी छोड़ दें और उन्हें तनों के साथ मिट्टी की रेखा से थोड़ा ऊपर लगाएं. फ्रेश जड़ें कुछ ही दिनों में नए अंकुर भेजना शुरू कर देती है.

इसे धूप और स्थिर पानी दें

धनिया दिन में चार से छह घंटे धूप में सबसे अच्छा उगता है. गर्म मौसम में सुबह की धूप हल्की होती है इसलिए यह अक्सर बेहतर विकल्प होता है. पौधे को हर दिन पानी दें, लेकिन मिट्टी को दलदली ना होने दें।

हैवी से मिनिमल... शिफ्ट हुआ ब्राइडल मेहंदी का ट्रेंड, यहां देखें बॉलीवुड सेलिब्रिटिस इंस्पायर्ड दुल्हन के लिए 6 हिना डिजाइन

क्या आप ऐसे मेहंदी डिजाइन ढूंढ रहे हैं जो आसान हों और देखने में भी शानदार लगें? ये लेख आपके लिए है. चाहे आप ट्रेंडी, मिनिमल, सिंपल डिजाइन ढूंढ रहे हों, यहां ऐसे मेहंदी डिजाइन हैं जो बिना ज्यादा मेहनत के भी कमाल के लगते हैं.

ये मॉडर्न, स्टाइलिश और सिंपल मेहंदी डिजाइन्स ब्राइडल मेहंदी के लिए भी दुल्हनें लगवा रही हैं. हाल ही में बॉनी कपूर की बेटी अंशूला कपूर ने भी अपनी शादी के लिए मिनिमल मेहंदी डिजाइन चुना. हालांकि मिनिमल ब्राइडल मेहंदी डिजाइन का ट्रेंड हाल ही में नहीं शुरू हुआ है, इससे पहले भी आलिया भट्ट, अदिति राव हैदरी, सोनाक्षी सिन्हा जैसी तमाम एक्ट्रेसेस ने अपनी शादी पर इस तरह के डिजाइन ही लगवाया था.

दुल्हन मेहंदी डिजाइन का मतलब अब हैवी हिना डिजाइन्स नहीं रह गया है. यदि आप दुल्हन बनने जा रही हैं, तो इस डिजाइन को आप अपने बिग डे के लिए चुन सकती हैं. बहुत साफ और बारीकी से बनाया गया ये डिजाइन आपके हाथ को सुंदर और एलिगेंट लुक देता है।

इसके अलावा ये डिजाइन आपकी ज्वेलरी को उभर दिखने का मौका देता है. जिससे हाथ और पैर दोनों ही बहुत ही सुंदर नजर आते हैं। ये टेंपल मेहंदी डिजाइन उन लोगों के लिए बेस्ट है, जो अपने हाथों को एलिगेंट और सॉफेस्टिकेटेड लुक देना चाहती हैं. इस तरह के डिजाइन में उंगलियों पर ज्यादा काम किया जाता है. सेंटर में आप कमल के फूल वाली डिजाइन या फिर मौर भी बनवा सकते हैं. इस तरह के डिजाइन वर्किंग ब्राइड के लिए बेस्ट ऑप्शन है. इसे आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ भी कैरी कर सकते हैं.

ये डिजाइन हाथों पर बहुत ही बैलेंस्ड नजर आता है. सेंटर और उंगलियों पर बराबर गैपिंग वाली डिजाइन बनाया जाता है. इस डिजाइन को आप अपनी शादी के लिए भी चुन सकती हैं. ये मंडला डिजाइन से इंस्पायर्ड मेहंदी है, जो इसे पारंपरिक रूप से भी खास बनाता है.

सिंपल लेकिन एलिगेंट. ये डिजाइन मुगल काल से इंस्पायर्ड है. हाथ पर बारीकी से बनायी गयी पत्तियों की बेला हाथ को बहुत ही खुबसुरत बनाते हैं. यदि आपको अपने हाथों पर पूरी तरह से भरी हुई और ज्यादा डिजाइन वाली मेहंदी लगाना नहीं पसंद तो ये डिजाइन आपके लिए बेस्ट है।

इडली-वड़ा नहीं बनता परफेक्ट? उड़द दाल पीसने का ये छोटा सा सीक्रेट बदल देगा पूरा स्वाद, जानिए आसान तरीका

उड़द दाल पीसते समय बर्फ डालने से बैटर ठंडा, हल्का और फ्लफी बना रहता है. इससे इडली ज्यादा मुलायम, वड़े ज्यादा कुरकुरे और बैटर का रंग भी साफ रहता है. यह आसान ट्रिक आपके साउथ इंडियन खाने का स्वाद और टेक्सचर दोनों बेहतर बना सकती है.

आपने कई बार घर पर इडली या मेदु वड़ा बनाया है, लेकिन हर कोशिश के बाद भी रेस्टोरेंट जैसा रिजल्ट नहीं मिला, तो हो सकता है कि गलती आपकी रेसिपी में नहीं, बल्कि बैटर तैयार करने के तरीके में हो. अक्सर लोग उड़द दाल पीसते समय सिर्फ पानी डालते हैं और इस बात पर ध्यान नहीं देते कि मिक्सी चलने के दौरान बैटर कितना गर्म हो रहा है. यही छोटी-सी बात इडली की नरमी और वड़े की कुरकुराहट पर बड़ा असर डालती है. हाल ही में एक साउथ इंडियन महिला ने सोशल मीडिया पर ऐसी आसान ट्रिक शेयर की, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया.

उनका कहना है कि उड़द दाल पीसते समय पानी की जगह बर्फ या बर्फ वाला ठंडा पानी इस्तेमाल करने से बैटर का टेक्सचर पूरी तरह बदल जाता है. इससे इडली ज्यादा सॉफ्ट, वड़ा ज्यादा क्रिस्पी और बैटर पहले से कहीं ज्यादा हल्का बनता है. आइए जानते हैं कि इस आसान ट्रिक के पीछे क्या वजह है और इसके क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

मिक्सी की गर्मी से बैटर को बचाती है बर्फ

मिक्सी के ब्लेड बहुत तेज रफ्तार से घूमते हैं. लगातार चलने की वजह से जार गर्म होने लगता है ।

गर्मी में भी AC जैसा सुकून! हर मौसम में चलती हैं बर्फ जैसी ठंडी हवाएं, राजस्थान का है स्विट्जरलैंड

पाली के सुमेरपुर क्षेत्र में जवाई बांध के सामने स्थित हवा महल, जिसे जवाई कोठी या रॉयल रिट्रीट भी कहा जाता है, इतिहास और प्रकृति का अनोखा संगम है. वर्ष 1946 में जवाई बांध के निर्माण के दौरान महाराजा उम्मेद सिंह ने इसे अपने ठहरने और निर्माण कार्य की निगरानी के लिए बनवाया था. आज यह महल शानदार व्यू पॉइंट के रूप में प्रसिद्ध है. यहां से जवाई बांध, अरावली की वादियां, पैंथर और विदेशी पक्षियों का नजारा पर्यटकों को आकर्षित करता है. ठंडी हवाओं के कारण यह जगह सालभर सुकूनभरा अनुभव देती है.

राजस्थान का नाम सुनते ही दिमाग में क्या आता है? तपती धूप, रेतीले धोरे और भयंकर गर्मी... मगर आज आपको राजस्थान की एक ऐसी जादुई जगह पर लेकर आए हैं, जो आपके इस नजरिये को पूरी तरह से बदलने का काम करती है. यहां मौसम चाहे मई-जून की भीषण गर्मी का हो, या फिर कड़ाके की सर्दी का... आपको गर्मी तो भूलकर भी नहीं लगने वाली! गर्मियों में यहां एसी से भी ज्यादा सुकून भरी ठंडी हवाएं चलती हैं और जब यहां सर्दी और बारिश का मौसम आता है, तो माहौल ऐसा हो जाता है मानो आप राजस्थान में नहीं, बल्कि कश्मीर या स्विट्जरलैंड की बर्फीली हवाओं के बीच खड़े हों!

जी हां, हम बात कर रहे हैं पाली जिले में जवाई बांध के पास स्थित ऐतिहासिक 'हवा महल' की! इस अद्भुत जगह को जोधपुर के पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था. आज यहां पर्यटकों की ऐसी भारी भीड़ उमड़ रही है कि पैर रखने की जगह नहीं है और अब जब मानसून की बारिशें दस्तक देने वाली हैं, तो यहां का नजारा किसी विदेशी कंट्री से कम नहीं होने वाला!

जोधपुर दरबार ने कराया था इसका निर्माण

स्थानीय निवासी हरीराम बताते है कि आप यहां पर किसी भी समय आ जाइए बाहर का तापमान चाहे कितना भी क्यों न हो यहां का आपमान आपको सुकून देने का ही काम करेगा. यहां पर हवा कभी नहीं रूकती बांध के पानी से होकर गुजरने वाली हवा जब इस महल पर पहुंचती है तो इतना सुकून मिलता है कि उसको आप बया नहीं कर सकते. जवाई डेम का निर्माण पूर्व महाराजा उम्मेदसिंह ने बनवाया था. यहां पर ठंडक महसूस होती है कि लोगा को एसा लगता है कि मनाली में बैठे है.

पर्यटकों ने कहा- यहां आने के बाद जाने का नहीं करता मन

अहमदाबाद से आए नीतिन ने कहा कि हम जब यहां आए तो ऐसा कुछ नहीं लगा था कि यह छोटा सा महल इतना खास हो सकता है. मगर जब यहां आए तो इतना सुकून मिल रहा है कि अहमदाबाद में भी ऐसी जगह हमने कभी नहीं देखी. जब हम जवाई डेम घूमकर यहां पहुंचे तो बस ऐसा लग रहा है ।

फूड

नाश्ते में बनाएं कुछ हेल्दी और टेस्टी, झटपट तैयार करें प्रोटीन से भरपूर बेसन का चीला, जानें रेसिपी

सुबह-सुबह की भागदौड़ में सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि नाश्ते में ऐसा क्या बनाया जाए जो फटाफट तैयार भी हो जाए और सेहत के लिए भी बढ़िया हो. अक्सर समझ नहीं आता कि पोहा-पराठे के अलावा और क्या नया ट्राई करें. अगर आप भी कम समय में कुछ बहुत ही टेस्टी और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो बेसन का चीला आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है. यह खाने में जितना मजेदार होता है, इसे बनाना उतना ही आसान है. आइए जानते हैं कि सुबह के नाश्ते के लिए आप एकदम परफेक्ट और कुरकुरा बेसन का चीला कैसे तैयार कर सकते हैं.

अगर सुबह की शुरुआत एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ते से हो जाए, तो पूरा दिन एनर्जी से भरा रहता है. ऐसे में बेसन से बना चीला एक बेहतरीन चॉइस साबित हो सकता है. भारतीय घरों में चीला एक बहुत ही पुराना और पसंदीदा व्यंजन है, जिसे लंबे समय से नाश्ते या शाम के हल्के-फुल्के खाने के रूप में बड़े चाव से पसंद किया जाता रहा है.

इस चीले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बहुत ही कम समय में बनकर तैयार हो जाता है. स्वाद से भरपूर होने के कारण यह बच्चों से लेकर बड़ों तक, घर में सभी को खूब पसंद आता है. बेसन का चीला सिर्फ खाने में ही अच्छा नहीं होता, बल्कि यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है क्योंकि बेसन में प्रोटीन और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं।

लखनऊ आम महोत्सव में मेरठ का जलवा, 25 किस्मों की मिठास ने मचाया धूम, जीता लोगों का दिल

लखनऊ में आम महोत्सव की 3 जुलाई से शुरुआत हो गई है, जिसमें देशभर की आम की वैरायटी लोगों को काफी पसंद आ रही है. ऐसे में मेरठ की भी अगर बात करें, तो 25 प्रकार की वैरायटी यहां देखने को मिलेगी. आइए इन आमों की खासियत के बारे में जानते हैं.

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तीन दिवसीय आम महोत्सव की शुरुआत हो गई है. तीन दिवसीय आम महोत्सव में देशभर के विभिन्न हिस्सों के आमों की किस्म आपको देखने को मिलेगी, जिसमें मेरठ के भी लगभग 25 प्रकार के आम की महक से भी लखनऊ का यह आम महोत्सव सुगंधित होते हुए दिखाई दे रहा है. ऐसे में लोकल 18 की टीम की ओर से भी जिला उद्यान अधिकारी अरुण कुमार से खास बातचीत की.

लोकल 18 की टीम से खास बातचीत करते हुए जिला उद्यान अधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि लखनऊ में आयोजित होने वाला आम महोत्सव बेहद खास होता है, क्योंकि इसमें देशभर के विभिन्न आमों की वैरायटी एक ही स्थान पर देखने को मिलती है. जिनकी डिमांड देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी बड़ी मात्रा में रहती है. ऐसे में मेरठ जनपद की भी 35 प्रकार की वैरायटी के नाम इस महोत्सव के लिए भेजे गए थे.

विदेशों तक होती है डिमांड

इसमें 25 वैरायटी को शामिल किया गया है, जो आपको महोत्सव के अंदर दिखाई देंगे. उन्होंने बताया कि इन आमों की अगर बात की जाए तो यह बेहद खास हैं, क्योंकि रंग-बिरंगे यह आम जितने देखने में अच्छे लगते हैं, उतने ही खाने में भी काफी स्वादिष्ट है. इसकी डिमांड विदेश में भी रहती है.

मेरठ की यह वैरायटी की गई है शामिल

उन्होंने बताया कि आम महोत्सव में मेरठ की वैरायटी की अगर बात की जाए, तो इसमें अमरपाली, गुलाब खास, रजनीगंधा, गोदावरी, तोतापरी, हबीब पसंद, लेट लंगड़ा, रामकेला, चौसा, लंगड़ा, दशहरी, गुलाब जामुन, रटौल सहित 25 वैरायटी शामिल हैं, जो खाने में काफी स्वादिष्ट होती है. इन्हें लोगों की ओर से काफी पसंद भी किया जाता है. मेरठ के किसान की आम की प्रजाति को काफी पसंद किया गया था. ऐसे में अबकी बार भी उम्मीद है कि मेरठ की यह प्रजाति पसंद आएगी. गत वर्ष की तरह इस बार फिर से मेरठ इनाम राशि जीतकर बागवानी के क्षेत्र में परचम लहराएगा.

बताते चले कि इस तरह के महोत्सव कृषि के क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं, क्योंकि जब किसानों को अवसर मिलता है, तो वह अपनी प्रतिभा का परिचय देते हैं. साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में वैरायटी चर्चा में रहते हैं. इससे किसानों को भी फायदा होता है।

पहले कलाकारों को सुधार करने का मौका मिलता था, आज पहली ही फिल्म में खुद को साबित करना पड़ता है: मधु

“ शुरुआत में परफेक्ट न होने के बावजुद हमें खुद को साबित करने का मौका मिलता था। - मधु

मुंबई | 90 के दशक की चचिंत अभिनेत्री मधु ने अपनी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास जगव बनाई थी। उन्होंने 'फूल और कांटे', 'रोजा', 'जेंटलमैन' और 'योघा' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया. वह लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं।

मधु का मानना है कि उनके दोंर की अभिनेत्रियों को खुद को निखारने और दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने का समय मिलता था, खवकि आज की अभिनेत्रियों के सामने शुरुआत से ही खुद को साबित करने की बड़ी चुनोती होती है।

“ पहली फिल्म से ही प्रदर्शन का दबाव

आज की अभिनेत्रियां शुरुआत से ही परफेक्ट होती हैं, लेकिन उन पर पहली ही फिल्म से अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहता है। उन्हें काफी सपोर्ट मिलता है, लेकिन अगर पहली फिल्म में दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाई तो उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है।

“ हमें दूसरा-तीसरा मौका भी मिलता था

अगर दर्शकों को हम पसंद नहीं आते थे, तो हमें दूसरा और तीसरा मौका भी मिलता था। मेरे 9 साल के करियर में हर फिल्म मेरे लिए सीखने का एक नया अवसर थी। मैं शुरुआत में उतनी अच्छी नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे बेहतर होती गई।

“ हर फिल्म से मिला सीखने का मौका

मेरी पहली फिल्म 'फूल और कांटे' में मैं बेस्ट नहीं थी, लेकिन लोगों ने मुझसे जुड़ाव महसूस किया। इसके बाद मुझे अपने अभिनथ के साथ-साथ हेयरस्टाइल, मेकअप और स्क्रीन प्रेजेंस जैसी चीजों में भी सुधार करने का मौका मिला। आज के समय में कलाकार पूरी तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए या तो पहली ही फिल्म में प्रभावित करना पड़ता है या फिर इंडस्ट्री से बाहर होने का खतरा रहता है।

यादगार फिल्में

- फूल और कांटे (1991)
- रोजा (1992)
- अल्लारी प्रियुडु (1993)
- योघा (1992)
- जेंटलमैन (1993)

खास तौर पर 'रोजा' में उनके अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

तीजन बाई के निधन से देशभर में शोक की लहर, राष्ट्रपति मुर्मु और अमित शाह समेत कई नेताओं ने जताया दुख

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रख्यात पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई के निधन पर पूरे देश में शोक की लहर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उनके निधन को कला जगत और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, 'प्रख्यात पंडवानी कलाकार तीजन बाई के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली उपस्थिति और अनोखी प्रस्तुति से महाभारत की कथाओं को मंच पर जीवंत किया। अपनी विलक्षण प्रतिभा, समर्पण और वर्षों की साधना से उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध पंडवानी परंपरा को देश-विदेश में पहचान दिलाई। भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रसार करने में उनका अमूल्य योगदान स्मरणीय रहेगा। मैं उनके प्रियजनों और प्रशंसकों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। अपनी अद्वितीय प्रतिभा और समर्पण से उन्होंने पंडवानी लोककला को विशिष्ट पहचान दिलाई। छत्तीसगढ़ की इस लोककला के संवर्धन में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों व उनके प्रशंसकों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।'

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने रायपुर एम्स पहुंचकर तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। अपनी अद्वितीय कला-साधना और विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राज्य सरकार की ओर से उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोस्ट किया, 'सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका और 'पद्म विभूषण' तीजन बाई का निधन अत्यंत दुखद है।

दो महीने तक दर्द से जूझती रहीं सुमोना चक्रवर्ती, एंडोमेट्रियोसिस सर्जरी के बाद सुनाई आपबीती

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती लंबे समय से सोशल मीडिया से दूर थीं, लेकिन अब खुद अभिनेत्री ने इस दूरी की वजह बताते हुए अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर का खुलासा किया है। सुमोना ने बताया कि पिछले दो महीने उनके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। उन्हें एंडोमेट्रियोसिस नाम की गंभीर बीमारी के कारण सर्जरी करानी पड़ी। अब स्वस्थ होने के बाद उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस पूरे सफर ने उनकी सोच, जिंदगी और सोशल मीडिया को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल दिया है।

सुमोना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, ''4 मई को मेरी एंडोमेट्रियोसिस की सर्जरी हुई। कई सालों से मैं इस बीमारी को दवाओं और इलाज के जरिए संभालने की कोशिश कर रही थीं लेकिन समय के साथ यह काफी बढ़ गई। आखिरकार डॉक्टरों ने सर्जरी का फैसला लिया। पिछले दो महीने मैंने सिर्फ खुद को ठीक करने में लगाए। अब मैं पहले से काफी बेहतर हूं और खुद को पूरी तरह स्वस्थ महसूस कर रही हैं।''

अभिनेत्री ने अपनी डॉक्टर और पूरी मेडिकल टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा, ''डॉक्टर और उनकी टीम मेरे लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं है। उन्होंने न सिर्फ मेरा इलाज किया, बल्कि उस दर्द और मानसिक स्थिति को भी समझा, जिसे शायद दूसरे लोग महसूस नहीं कर पा रहे थे। मैं जिंदगीभर उनके इस सहयोग के लिए आभारी रहूंगी। मैं यह पोस्ट किसी तरह की सहानुभूति पाने के लिए नहीं कर रही हूं।

जब पूरी तरह हार मान चुकी थीं विद्या बालन, फिर आया एक फोन कॉल- 'तुम ही मेरी परिणीता हो'

विश्व केसरी

मुंबई। 'परिणीता', 'कहानी', 'द डर्टी पिक्चर' और 'भूलभुलैया' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री विद्या बालन का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। फिल्मों में कदम रखने से पहले उन्हें कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। एक दिन उनकी जिंदगी में ऐसा पल आया, जिसने उनकी किस्मत बदल दी। विद्या ने उस यादगार पल को साझा करते हुए बताया, जब उन्हें अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'परिणीता' मिली थी।

दिग्गज अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल के चर्चित चैट शो 'रेन्जेव्यू विद सिमी ग्रेवाल' में बातचीत के दौरान विद्या बालन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ''उस समय मैं कई ऑडिशन दे चुकी थी और धीरे-धीरे मुझे लगने लगा था कि शायद यह फिल्म भी मेरे हाथ से निकल जाएगी। ऐसे में मैंने उम्मीद लगभग छोड़ दी थी।

विद्या ने बताया, ''जिस दिन मेरी किस्मत बदलने वाली थी, उस दिन मैं मशहूर सिंगर एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में मौजूद थी। मैंने अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा था ताकि कोई मुझे परेशान न करे। मेरे साथ मौजूद एक दोस्त, जो निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ भी काम करता था, के पास अचानक दादा का फोन आया।''

विद्या ने उस पल को याद करते हुए आगे कहा, ''दादा ने मेरे दोस्त से पूछा कि विद्या कहां है? क्या वह कॉन्सर्ट में है? उसने कहा कि हां, वह यहीं है। इसके बाद मैंने फोन लिया तो उन्होंने बताया कि मिस्टर चोपड़ा यानी विधु विनोद चोपड़ा आपसे बात करना चाहते हैं।

विद्या ने कहा, ''उस समय पूरा यकीन था कि मुझे यह बताने के लिए फोन किया गया है कि मैं फिल्म के लिए सेलेक्ट नहीं हो पाई हूं, क्योंकि मैं पहले ही कई ऑडिशन दे चुकी थी और हर बार रिजेक्ट हो जाती थी।

हालांकि अगले ही पल जो शब्द मैंने सुने, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी।

रणवीर सिंह: कभी खर्च निकलने के लिए किया पार्ट टाइम काम, फिर तय किया कॉपीराइटर से लेकर बॉलीवुड स्टार बनने का सफर

विश्व केसरी

मुंबई। आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर में एक्टर रणवीर सिंह की भूमिका को काफी सराहा गया, लेकिन इस सफलता के पीछे संघर्ष की एक लंबी कहानी है। आज करोड़ों दिलों पर राज करने वाले रणवीर कभी अपनी पढ़ाई के दौरान खर्च चलाने के लिए छोटे-मोटे काम किया करते थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने पार्ट-टाइम नौकरी की, वहीं विज्ञापन एजेंसियों में कॉपीराइटर के रूप में भी काम किया, लेकिन इन सबके बीच उनका सपना सिर्फ एक था बॉलीवुड में अभिनेता बनना। मेहनत के दम पर उन्होंने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई, बल्कि आज वह हिंदी सिनेमा के सबसे सफल और सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले अभिनेताओं में गिने जाते हैं।

रणवीर सिंह का जन्म 6 जुलाई 1985 को मुंबई के एक सिंधी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें फिल्मों और अभिनय में गहरी रुचि थी। स्कूल के समय से ही वे नाटकों और डिबेट्स में हिस्सा लेते थे। वह आगे चलकर अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन में पढ़ने गए, जहां उन्होंने टेली-कम्युनिकेशन और थिएटर की पढ़ाई की। कॉलेज के दिनों में रणवीर का जीवन काफी सामान्य और संघर्ष भरा था। इस दौरान उन्होंने अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए पार्ट-टाइम काम किया। इसी दौरान उन्होंने थिएटर किया और एक्टिंग की बारीकियां सीखीं, जिसने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया।

भारत लौटने के बाद रणवीर ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले विज्ञापन जगत में काम किया। उन्होंने मशहूर एजेंसियों के लिए क्रिएटिव आइडिया और लेखन का काम किया। यह अनुभव उनके लिए बहुत काम आया क्योंकि इससे उनकी सोच और मजबूत हुई लेकिन उनका सपना हमेशा से ही अभिनेता बनने का था, इसलिए उन्होंने नौकरी छोड़कर ऑडिशन देना शुरू कर दिया।

काफी संघर्ष के बाद 2010 में उन्हें यश राज फिल्म्स की 'बैंड बाजा बारात' में मुख्य भूमिका मिली। यह फिल्म उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस फिल्म में दिल्ली के लड़के बिट्टू शर्मा का किरदार निभाकर उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया और उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद उन्होंने 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल', 'लुटेरा', 'गोलियों की रासलीला राम-लीला', 'बाजीराव मस्तानी', 'पद्मावत', 'गली बॉय' और 'सिम्बा' जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया और हर बार अपने अभिनय से खुद को साबित किया।

'लॉक अप 2' में माधुरी जैन ग्रोवर के बयान पर विवाद, तीसरे बच्चे और अमीरी-गरीबी वाली टिप्पणी से मचा बवाल

विश्व केसरी

मुंबई । रियलिटी शो 'लॉकअप' सीजन 2 अक्सर अपने कंटेस्टेंट्स की निजी बातों और तीखे बयानों को लेकर चर्चा में रहता है। शो का फॉर्मेट ही ऐसा है कि यहां कंटेस्टेंट्स अपनी जिंदगी से जुड़े ऐसे खुलासे करते हैं जो कई बार दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं और कई बार विवाद भी खड़ा कर देते हैं। इसी कड़ी में इस बार बिजनेसमैन अशनीर

ग्रोवर की पत्नी और कंटेस्टेंट माधुरी जैन ग्रोवर का एक बयान सामने आया है, जिस पर लोग अब अलग-अलग राय दे रहे हैं।

हाल ही के एक एपिसोड में माधुरी जैन ग्रोवर ने बताया कि वह और उनके पति अशनीर ग्रोवर तीसरा बच्चा चाहते थे लेकिन उनके परिवारों ने इस फैसले का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि परिवार की सहमति न मिलने के कारण उन्होंने यह प्लान छोड़ दिया। हालांकि असली विवाद उनके इस निजी खुलासे से ज्यादा उनके आगे दिए गए विचारों को लेकर शुरू हुआ। शो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया- ''तीसरा बच्चा इंसान को ज्यादा जवान रखता है। अगर आप देखें तो शाहरुख खान जैसे कई अमीर लोगों के भी तीन बच्चे हैं। 'हम दो हमारे दो' का कॉन्सेप्ट हर किसी पर लागू नहीं होता। जितने अमीर लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी अमीरी बढ़ेगी और जितने गरीब लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी गरीबी बढ़ेगी।

स्वीडन के प्रधानमंत्री ने चीनी विदेश मंत्री से की मुलाकात

विश्व केसरी

बीजिंग। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने 4 जुलाई को स्टॉकहोम में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि स्वीडन-चीन दोनों देशों और दोनों देशों की जनता के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान का लंबा इतिहास है। स्वीडन चीनी संस्कृति और सृजनात्मक भावना का प्रशंसक है और चीन के असाधारण विकास की प्रशंसा करता है।

क्रिस्टर्सन ने कहा कि स्वीडन सरकार एक चीन सिद्धांत पर कायम रहती है और चीन के साथ संवाद मजबूत कर समानताओं का विस्तार कर विभिन्न क्षेत्रों के पारस्परिक लाभ और उज्ज्वल भविष्य वाला सहयोग बढ़ाने को तैयार है।

वांग यी ने कहा कि चीन-स्वीडन की आवाजाही का इतिहास प्राचीन रेशम मार्ग से शुरू हुआ। स्वीडन चीन के साथ राजनयिक सम्बंध स्थापित करने वाला पहला पश्चिमी देश है, जिस ने स्वीडन की स्वतंत्रता और रणनीतिक दूरदर्शिता दर्शायी और विश्व में रोल मॉडल की भूमिका निभायी। इधर कुछ साल द्विपक्षीय सम्बंधों को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जिसके लिए दोनों पक्षों के लिए संवाद मजबूत कर समझदारी बढ़ाना और पारस्परिक विश्वास फिर स्थापित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वांग यी ने कहा कि अगर चीन अच्छा है, तो विश्व बेहतर होगा और स्वीडन समेत विभिन्न देशों के लिए नया मौका उभरेगा। चीन स्वीडन के साथ विभिन्न स्तरों की आवाजाही मजबूत कर पारस्पारिक पूरकता की भूमिका निभाते हुए पारस्परिक लाभ वाला सहयोग बढ़ाना चाहता है ताकि चीन-स्वीडन सम्बंध स्वस्थ, स्थिर और सतत् विकास के रास्ते पर चलें। उम्मीद है कि स्वीडन चीन-ईयू सम्बंध बढ़ाने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाएगा। यात्रा के दौरान वांग यी ने स्वीडन के विदेश मंत्री के साथ वार्ता की और निवेशक एबी ग्रुप के बोर्ड अध्यक्ष से मुलाकात की।

ट्रंप की वित्तीय रिपोर्ट में पिछले साल के अंत से कूपांग के शेयरों में 18 ट्रेड का खुलासा

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वित्तीय खुलासा (फाइनेंशियल डिस्क्लोजर) रिपोर्ट के अनुसार, उनके मनी मैनेजर्स ने अक्टूबर से मई के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में सूचीबद्ध ई-कॉमर्स कंपनी कूपांग के शेयरों में 18 बार खरीद-बिक्री की। यह ट्रेडिंग ऐसे समय में हुई, जब कंपनी से जुड़े बड़े डेटा ब्रीच की दक्षिण कोरिया में चल रही नियामकीय जांच को लेकर सोल और वाशिंगटन के बीच तनाव बना हुआ था।

मई और इसी महीने अमेरिकी ऑफिस ऑफ गवर्नमेंट एथिक्स (ओजीई) में दाखिल की गई तीन रिपोर्टों से पता चला कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 9 अक्टूबर से 22 मई के बीच दो निवेश खातों के जरिए कूपांग के शेयरों की खरीद-बिक्री की।

योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, इन खुलासा रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उनके पास कूपांग के अधिकतम 130,000 डॉलर तक के शेयर हो सकते हैं।

ट्रंप के इन शेयर लेनदेन ने उस समय ध्यान आकर्षित किया, जब कूपांग के डेटा लीक मामले से निपटने के दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के तरीके को लेकर अमेरिका की आलोचना बढ़ गई। हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी की स्टाफ रिपोर्ट और व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने हाल ही में इस जांच को भेदभावपूर्ण बताते हुए इसकी आलोचना की।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने 9 अक्टूबर को 1,001 से 15,000 डॉलर मूल्य के कूपांग के शेयर खरीदे। इसके बाद उसी दिन उन्होंने 50,001 से 100,000 डॉलर मूल्य के और शेयर खरीदे। वित्तीय खुलासा रिपोर्टों में लेनदेन की सटीक राशि बताने के बजाय उसे मूल्य सीमा (रेंज) के रूप में दर्शाया गया है।

उन्होंने 16 अक्टूबर को 1,001 से 15,000 डॉलर के बीच की कीमत वाले और कूपांग शेयर खरीदे। 11 दिसंबर को, उन्होंने 1,001 से 15,000 डॉलर के बीच कीमत वाले और शेयर खरीदे, साथ ही उस दिन 50,001 से 100,000 डॉलर के बीच कीमत वाले और शेयर खरीदे। फिर उन्होंने 18 दिसंबर को 1,001 से 15,000 डॉलर के बीच कीमत वाले और शेयर खरीदे।

इसके अलावा, उन्होंने 16 अक्टूबर को 15,001 से 50,000 डॉलर के बीच के कूपांग शेयर बेचे, इसके बाद 10 नवंबर को 15,001 से 50,000 डॉलर के बीच के शेयर बेचे और उसी दिन 1,001 से 15,000 डॉलर के बीच के शेयर बेचे।

संक्षिप्त खबर

मेक इन चाइना विश्व में क्यों लोकप्रिय है

बीजिंग। इस गर्मी में यूरोप झुलस रहा है। तापमान अभूतपूर्व स्तर पर चढ़ गया है। इस दौरान चीन से आने वाले विभिन्न कूलिंग उपकरण काफी लोकप्रिय हो रहे हैं, जैसे बिना ड्रिलिंग वाली एसी, वार्टर मिस्ट स्प्रे वाले छतरी, कमर में लटकने वाला पंखा, एक लम्हे में 3 डिग्री तापमान गिराने वाला तौलिया इत्यादि।

आंकड़ों के अनुसार, इस साल के पहले पांच महीने में फ्रांस, हॉलैंड,बेल्जियम आदि पश्चिमी देशों में चीन से आयातित एसी की संख्या दो गुने से अधिक हो गयी। इस जून में यूरोप में आयातित चीनी एसी में 72.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। इससे जाहिर है कि चीन यूरोप आर्थिक व व्यापारिक सहयोग का मर्म पारस्परिक लाभ और साझा जीत है।

मेक इन चाइना की जादुई कहानी वास्तव में पूरे विश्व में सुनाई जा रही है। अब फ़ीफ़ा विश्व कप धूमधाम से चल रहा है। प्रतियोगिता स्टेडियम के बाहर विश्व कप सम्बंधी अधिकांश छोटे माल पूर्वी चीन के यीवु शहर में बने हैं। चीन द्वारा बने ऑप्टिकल फाइबर और ऑप्टिकल मॉड्यूल आदि साजो सामान वैश्विक बाज़ार में काफी लोकप्रिय है। चीनी सामाजिक विज्ञान अकादमी के वैश्विक रणनीतिक थिंक टैंक के अध्ययनकर्ता फान युएंयुएं ने सीएमजी को बताया कि चीन हमेशा वैश्विक उपभोक्ताओं की वास्तविक मांग पर कड़ी नज़र रखता है और चीनी उद्यमी तेज़ी से बाजार की सूचना प्राप्त कर सकते हैं और संपूर्ण औद्योगिक व्यवस्था, सप्लाई चेन और कुशलतापूर्ण लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के तहत जल्दी से हाई वैल्यू उत्पाद और समाधान योजना प्रस्तुत कर सकते हैं।

विदेशी बाजार में चीनी उत्पादों का डिजाइन लक्षित तथा सटीक है और गुणवत्ता ऊंची है। खास बात है चीनी उत्पादों की कीमतें ग्राहक हितैशी है। मसलन चीनी रोबोट की कीमत यूरोप और अमेरिका के समान उत्पाद की कीमत का करीब एक तिहाई है, पर उसकी गुणवत्ता और फंक्शन अंतरराष्ट्रीय मापदंड से ऊंचा है। इसके अलावा मेक इन चाइना की सेवा बहुत अच्छी है। उदाहरण के लिए चीनी उद्यम एक्सकेवेटर व क्रेन निर्यात करते समय न सिर्फ हार्डवेयर निर्यात करता है, बल्कि रिमोट मेटेनेंस, फॉल्ट चेतावनी आदि मूल्य वृद्धि सेवा प्रदान भी करता है। उपभोग की नज़र देखा जाए तो चीनी वस्तुओं के आयात से कई देशों के उपभोक्ताओं के सामने ऊंचे मुद्रास्फीति का दबाव कम हो गया है। यूरोपीय केंद्रीय बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार अगर 2026 में यूरोपीय संघ चीन से आयात 10 प्रतिशत बढ़ाए, तो उसके समग्र आयात की कीमतों में 1.6 प्रतिशत गिरावट आएगी।

इंडोनेशिया: 'गणेशा एक संस्कृति' को पीएम मोदी का इंतजार, शेफ ने पिछली बार परोसे थे भारतीय पकवान

विश्व केसरी

जकार्ता। भारत और इंडोनेशिया के संबंध लगभग दो सहस्राब्दियों पुराने बताए जाते हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चौथी इंडोनेशिया यात्रा भी इन्हीं गहरे रिश्तों की अहमियत को दर्शाती है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव इतना मजबूत रहा है कि भारत की कला, परंपरा और खान-पान ने इंडोनेशिया में भी अपनी खास जगह बना ली है।

इसी सांस्कृतिक सेतु का एक उदाहरण है फूड चेन 'गणेशा एक संस्कृति,' जो पिछले 33 वर्षों से इंडोनेशिया में भारतीय स्वाद और परंपरा को लोगों तक पहुंचा रही है। यह केवल एक रेस्तरां नहीं, बल्कि भारत और इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक बन चुका है।

इस फूड चेन की संस्थापक शिल्पा दवे और उनके स्टाफ को भी प्रधानमंत्री मोदी के इंडोनेशिया आगमन का बेसब्री से इंतजार है। उनका कहना है कि यह दौरा दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तों को और सुदृढ़ करने का एक और अवसर है।

मीडीया से बात करते हुए दवे ने बताया कि प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, 'हम बहुत उत्साहित हैं। मोदी जी पहले भी आ चुके हैं और जब वे बाली आए थे तो हमारे शेफ ने उनके लिए खाना बनाया था। हम पीएम मोदी से मिलने का इंतजार कर रहे हैं, और सभी उनके आने को लेकर काफी उत्साहित हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत के पीएम ने देश दुनिया में हम हिंदुस्तानियों का नाम ऊंचा किया है। उनकी वजह से हम खुद को देश से जुड़ा पाते हैं।'

शिल्पा पिछले 33 वर्षों से इंडोनेशिया में रह रही हैं और भारतीय खानपान व संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही हैं। 12 जुलाई 2003 में इस रेस्तरां की नींव रखी गई थी।

गणेशा एक संस्कृति की खासियत पर बात करते हुए शिल्पा कहती हैं, 'यहां के लोगों को असली भारतीय भोजन से परिचित कराने के उद्देश्य से मैंने 'गणेशा एक संस्कृति' चेन की शुरुआत की। आज इंडोनेशिया में ही नहीं, दक्षिण एशिया में भी हमारे कई आउटलेट हैं, जहां भारतीय व्यंजन परोसे जाते हैं और भारतीय संस्कृति को भी बढ़ावा दिया जाता है।'

नेपाल में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बड़ी पहल, टाइगर सेंक्चुरी बनाने की योजना

विश्व केसरी

काठमांडू,। नेपाल के दक्षिणी जिले चितवन में देश का पहला टाइगर सैंक्चुअरी विकसित करने की योजना को आगे बढ़ा रहा है। इस पहल का उद्देश्य बचाए गए और मानव-बाघ संघर्ष से जुड़े 'समस्याग्रस्त बाघों' को प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराना है, साथ ही इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा देना है। समस्याग्रस्त बाघ वे होते हैं जो इंसानों की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा पैदा करते हैं। ये अक्सर बूढ़े या घायल जानवर होते हैं जो अपने लिए शिकार नहीं कर पाते।

लगातार संरक्षण की कोशिशों की वजह से, नेपाल में बाघों की आबादी 2009 के 121 से लगभग तीन गुना बढ़कर 2022 में 355 हो गई। हालांकि, बाघों की बढ़ती आबादी के कारण इंसानों और बाघों के बीच टकराव भी तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह से बाघ बचाव केंद्रों पर दबाव भी बढ़ा है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए, नेपाली सरकार 'समस्याग्रस्त बाघों' की बढ़ती संख्या को देखते हुए टाइगर सैंक्चुअरी बनाने की योजना बना रही है। इसके साथ ही इस सुविधा को एक बड़े इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित कर रही है।

नेशनल पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन विभाग के सीनियर इकोलॉजिस्ट हरि भद्र आचार्य ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया, 'प्रस्तावित सैंक्चुअरी चितवन के देवनगर में लगभग 52 हेक्टेयर जमीन पर विकसित की जाएगी और इसे 18 से 20 बाघों को रखने के लिए डिजाइन किया गया है। डिपार्टमेंट ऑफ नेशनल पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन के अनुसार, सरकार ने आने वाले वित्तीय वर्ष 2026-27 में, जो जुलाई के बीच में शुरू होगा, इस प्रोजेक्ट के लिए पहले ही 30 मिलियन नेपाली रुपए दिए हैं।

देवनगर में मौजूदा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सेंटर को बढ़ाकर सैंक्चुअरी को विकसित किया जाएगा ।

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की

विश्व केसरी

वाशिंगटन। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए।

फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं।

सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का एक सोच-समझकर और व्यवस्थित तरीके से चलाया गया ऑपरेशन था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, कैदियों, अस्पताल के मरीजों, पूर्व सैनिकों और आम लोगों को उनकी जानकारी या सहमति के बिना एलएसडी, इलेक्ट्रोशॉक, सम्मोहन (हिप्नोसिस), सेंसरी डिप्राइवेशन (इंद्रियों को संवेदना से वंचित रखना) और मानसिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया।'

लुना ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीआईए निदेशक रिचर्ड हेल्स ने 1973 में पद छोड़ने से पहले एमके-अल्ट्रा फाइलकों को नष्ट करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने 'न्याय में बाधा' और 'संघीय अभिलेखों का आपराधिक विनाश' बताया।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एमके-अल्ट्रा के अतिरिक्त अभिलेखों की खोज की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने और प्रतिनिधि एरिक बर्लिसन ने हाल ही में सीआईए मुख्यालय का दौरा किया था।

2026 में चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी की मात्रा 1 खरब से अधिक

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन के राज्य डाक ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि 30 जून तक, चीन में एक्सप्रेस डिलीवरी की मात्रा 2025 के लक्ष्य से नौ दिन पहले ही 100 अरब से अधिक हो गई थी। डाक और एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग का विकास चीन के आर्थिक विकास की स्थिर प्रगति को दर्शाता है।

इस वर्ष की शुरुआत से, उपभोग को बढ़ावा देने वाली विभिन्न नीतियों का निरंतर प्रभाव पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता बाज़ार में स्थिर वृद्धि और उपभोग संरचना का निरंतर अनुकूलन हो रहा है, जिससे एक्सप्रेस डिलीवरी बाज़ार का विस्तार हो रहा है।

राज्य डाक ब्यूरो के एक सम्बंधित अधिकारी ने बताया कि उद्योग वर्तमान में प्रभावी गुणवत्ता सुधार और उचित मात्रात्मक वृद्धि दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। भविष्य में, उपभोग को बढ़ावा देने वाली नीतियों के निरंतर कार्यान्वयन और उद्योग में नए प्रेरकों के धीरे-धीरे मजबूत होने के साथ, डाक और एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग रसद क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका और अधिक निभाएगा, जिससे सुचारू आर्थिक परिसंचरण में मदद मिलेगी और उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक विकास को निरंतर गति मिलेगी।

उत्तर कोरिया: किम जोंग उन ने देखे 'कांग गॉन' के तेवर, डेस्ट्रॉयर दो महीनों में बनेगा नौसेना का अंग

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए 5,000 टन वजनी नौसैनिक डेस्ट्रॉयर 'कांग गॉन' से किए गए रणनीतिक क्रूज मिसाइलों और अन्य हथियारों के परीक्षणों का निरीक्षण किया। उन्होंने युद्धपोत को अगले दो महीनों के भीतर नौसेना में शामिल करने का आदेश भी दिया है।

योनहाप ने राज्य मीडिया केसीएनए के हवाले से बताया कि, किम ने शुक्रवार को इस युद्धपोत से क्रूज मिसाइलों, नौसैनिक तोपों, स्वचालित हथियारों और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम के परीक्षण देखे।

इन परीक्षणों में लगभग 10 क्रूज मिसाइलों के एक साथ आसमान में दागे जाने की तस्वीरें भी जारी की गईं।

दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को पुष्टि की कि उसने इसी अवधि में पूर्वी सागर की ओर क्रूज हथियारों के परीक्षण का पता लगाया है और अमेरिका के साथ मिलकर इनका विश्लेषण किया जा रहा है। यह वही डेस्ट्रॉयर है जिसे जून पिछले वर्ष लॉन्च किया गया था, लेकिन शुरुआती लॉन्च के दौरान यह पलट गया था। बाद में इसे 'कांग गॉन' नाम देकर फिर से तैयार किया गया।

केसीएनए ने बताया कि इन परीक्षणों का उद्देश्य युद्धपोत पर विभिन्न हथियार प्रणालियों की युद्ध क्षमता की जांच करना था। किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया अपनी सैन्य ताकत और 'युद्ध प्रतिरोधक क्षमता' को और मजबूत करेगा।

इन परीक्षणों में इस्तेमाल की गई मिसाइलें ह्वासल-सीरीज क्रूज मिसाइलें हो सकती हैं, जिनमें परमाणु क्षमता होने की आशंका भी जताई जा रही है।

जनवरी से मई तक चीन के सेवा व्यापार के आयात-निर्यात के कुल मूल्य में 6 प्रतिशत की वृद्धि

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से मई तक, चीन का कुल सेवा व्यापार 3099.48 अरब युआन तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि से 6% अधिक है। निर्यात 1230.46 अरब युआन रहा, जिसमें 15.9% की वृद्धि हुई। आयात 1869.02 अरब युआन रहा, जिसमें 0.4% की वृद्धि हुई। सेवा व्यापार घाटा 638.56 अरब युआन रहा, जो पिछले साल की समान अवधि से 160.72 अरब युआन कम है।

ज्ञान-आधारित सेवाओं के निर्यात में तेजी से वृद्धि हुई। जनवरी से मई तक, ज्ञान-आधारित सेवाओं का आयात और निर्यात 1368.74 अरब युआन तक पहुंच गया, जिसमें 5.4% की वृद्धि हुई, जो कुल सेवा व्यापार का 44.2% है। ज्ञान-आधारित सेवाओं का निर्यात 667.75 अरब युआन तक पहुंच गया, जिसमें 12.2% की वृद्धि हुई। बौद्धिक संपदा रॉयल्टी और व्यक्तिगत सांस्कृतिक एवं मनोरंजन सेवाओं में क्रमश: 64.9% और 50.1% की सबसे तीव्र वृद्धि दर्ज की गई। ज्ञान-आधारित सेवाओं का आयात 700.99 अरब युआन तक पहुंच गया, जिसमें 0.3% की गिरावट आई।

यात्रा सेवाओं के निर्यात और परिवहन सेवाओं के आयात में भी तीव्र वृद्धि हुई। जनवरी से मई तक, यात्रा सेवाओं का निर्यात 188.5 अरब युआन तक पहुंच गया, जिसमें 31.3% की वृद्धि हुई, जो शीर्ष पांच सेवा निर्यात क्षेत्रों में सबसे तीव्र वृद्धि दर है। परिवहन सेवाओं का आयात 402.52 अरब युआन तक पहुंच गया, जिसमें 26.7% की वृद्धि हुई, जो शीर्ष पांच सेवा आयात क्षेत्रों में सबसे तीव्र वृद्धि दर है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने के लिए भारत में ब्रिक्स की बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत इस साल अपनी 'ब्रिक्स' अध्यक्षता के तहत 6-7 जुलाई को केरल के कोच्चि में महिला वर्किंग ग्रुप (डब्ल्यूडब्ल्यूजी) की बैठक की मेजबानी करेगा। महिला वर्किंग ग्रुप की बैठक सदस्य देशों को महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने वाले मुद्दों पर चर्चा करने और आम सहमति बनाने का अवसर प्रदान करेगी।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कोच्चि की बैठक से 8-9 जुलाई को होने वाली 'ब्रिक्स' महिला मंत्री-स्तरीय बैठक के लिए एक मजबूत आधार तैयार होने की उम्मीद है। यह बैठक व्यावहारिक सहयोग और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति 'ब्रिक्स' सदस्य देशों की साझा प्रतिबद्धता को दोहराएगी।

बयान में कहा गया है, ''ब्रिक्स' सदस्य देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी सभी क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने और साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आएंगे।'

'ब्रिक्स' संगठन में कुल 11 देश ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। ये सभी मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 40 प्रतिशत योगदान देते हैं।

'ब्रिक्स' देशों में दुनिया की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी रहती है। इस विशाल जनसंख्या में महिलाओं का राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास हर क्षेत्र को प्रभावित करता है, जिससे 'महिला ट्रैक' 'ब्रिक्स' 2026 में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बन गया है।

यह वर्किंग ग्रुप बैठक पहले आयोजित की गई तीन वर्चुअल प्रारंभिक बैठकों के दौरान हुई व्यापक चर्चाओं पर आधारित है। इन चर्चाओं ने सदस्य देशों को कोच्चि में होने वाली बैठकों से पहले बातचीत को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाया है।

2026 में भारत की 'ब्रिक्स' अध्यक्षता 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' थीम पर आधारित है। 'ब्रिक्स' महिला ट्रैक ने चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है ।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने दिखाई हाईटेक बम निष्क्रिय करने की तकनीक, 'वॉटर जेट डिसरप्टर' का किया लाइव प्रदर्शन

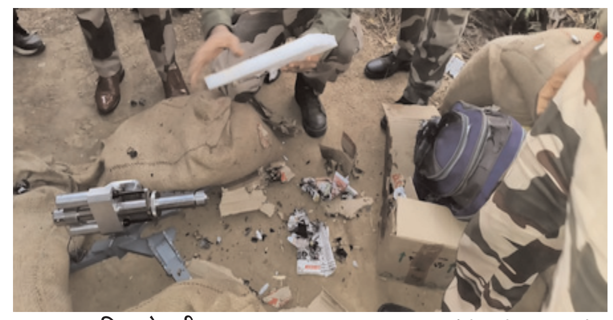

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने एक विशेष डेमोंस्ट्रेशन-कम-ऑपरेशनल एक्सपोजर कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) के लिए महत्वपूर्ण उपकरण 'वॉटर जेट डिसरप्टर' का लाइव प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में आईपीएस अधिकारी बाबू राम, डीआईजी/सीएएसओ तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अभ्यास का उद्देश्य बीडीडीएस कर्मियों को वॉटर जेट डिसरप्टर के सुरक्षित संचालन, सटीक उपयोग और रणनीतिक तैनाती का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। यह उपकरण विशेष रूप से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) यानी देसी बम जैसे विस्फोटक खतरों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने में अहम भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के दौरान वास्तविक परिस्थितियों जैसा माहौल तैयार कर बीडीडीएस टीम को विशेष उपकरणों के उपयोग का अभ्यास कराया गया। इससे जवानों की तकनीकी दक्षता बढ़ी और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने की उनकी क्षमता और मजबूत हुई।

इस अवसर पर डीआईजी/सीएएसओ बाबू राम ने अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि बदलते विस्फोटक खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों की जानकारी और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने सभी कर्मियों से अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और सामरिक कौशल को लगातार विकसित करने का आह्वान किया, ताकि बम निष्क्रिय करने के प्रत्येक अभियान में त्वरित, सुरक्षित और बेहतर समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सीआईएसएफ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट पर भी इस अभ्यास की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बीडीडीएस कर्मियों की परिचालन क्षमता को और सुदृढ़ बनाना है।

अमरनाथ यात्रा 2026: कड़ी सुरक्षा के बीच चौथा जत्था जम्मू से रवाना, 6,721 श्रद्धालु शामिल

विश्व केसरी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा 2026 के तहत श्रद्धालुओं का चौथा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से पवित्र गुफा की ओर रवाना हुआ। प्रशासन के अनुसार, कुल 6,721 तीर्थयात्री 291 वाहनों के काफिले में बालटाल और पहलगाम के दोहरे बेस कैंपों के लिए रवाना हुए।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा प्रबंध, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती, एस्कॉर्टेड काफिले, चिकित्सा सुविधाएं, तथा विशेष यातायात प्रबंधन व्यवस्था की गई है।

जम्मू स्थित जोनल पुलिस कंट्रोल रूम (जेडपीसीआर) के अनुसार, चौथे जत्थे में 4,576 पुरुष श्रद्धालु, 1,310 महिला श्रद्धालु, 22 बच्चे, 572 साधु, 154 साध्वियां, 38 विदेशी पुरुष श्रद्धालु और 49 विदेशी महिला श्रद्धालु शामिल हैं। श्रद्धालुओं के लिए परिवहन की व्यापक व्यवस्था की गई है। पूरे काफिले में 134 बसें, 37 मध्यम मोटर वाहन (एमएमवी) और 120 हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) शामिल हैं। बालटाल जाने वाले काफिले में कुल 152 वाहन शामिल हैं, जिनमें 50 बसें, 12 मध्यम मोटर वाहन और 90 हल्के मोटर वाहन हैं। वहीं, पहलगाम मार्ग पर जाने वाले 139 वाहनों के काफिले में 84 बसें, 25 मध्यम मोटर वाहन और 30 हल्के मोटर वाहन शामिल हैं।

इस बीच, पिछले दो दिनों में पवित्र गुफा के पास हार्ट अटैक के कारण दो तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। तीर्थयात्री परवीन छगनलाल परवन, जो गुजरात के जामनगर जिले के विभापार निवासी छगनलाल के पुत्र थे ।

बंगाल की खाड़ी में बहकर गए वैज्ञानिक डेटा बॉय को तटरक्षक बल ने बचाया

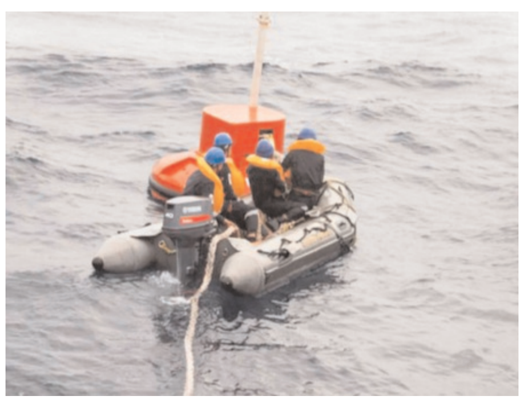

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बेहद चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में भारतीय तटरक्षक बल ने बंगाल की खाड़ी से बहकर गई वैज्ञानिक डेटा बॉय को सुरक्षित निकाला है। यह सफल कार्रवाई एक बड़ी सफलता के तौर पर देखी जा रही है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में यह अपनी निर्धारित स्थिति से बहकर दूर चली गई थी। यह एक एमओईएस-एनआईओटी वैज्ञानिक डेटा बॉय है। भारतीय तटरक्षक बल ने इसको सफलतापूर्वक खोजकर सुरक्षित अपने नियंत्रण में ले लिया है। चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों के बीच भारतीय तटरक्षक बल के जहाज रानी गैदिन्लियू ने इस अभियान को पूरा किया।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, यह अभियान समुद्र में वैज्ञानिक उपकरणों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति भारतीय तटरक्षक बल की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है। जानकारी के अनुसार, यह वैज्ञानिक डेटा बॉय आंध्र प्रदेश के नेल्लोर तट के पास अपनी निर्धारित स्थिति से 150 किलोमीटर से अधिक दूर बह गई थी। समुद्र में तेज हवाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद तटरक्षक दल ने सटीक खोज अभियान चलाकर इस बहुमूल्य वैज्ञानिक उपकरण को सुरक्षित बरामद कर लिया।

यह डेटा बॉय समुद्री वातावरण से जुड़े महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े, जैसे समुद्र की लहरों, तापमान, धाराओं, मौसम तथा अन्य समुद्री परिस्थितियों का डेटा एकत्र करती है। इन आंकड़ों का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, समुद्री अनुसंधान, तटीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन तथा समुद्री गतिविधियों की निगरानी में किया जाता है।

भारतीय तटरक्षक बल ने कहा कि अपने निर्धारित दायित्वों के तहत वह केवल समुद्री सुरक्षा, खोज एवं बचाव तथा प्रदूषण नियंत्रण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समुद्र में स्थापित वैज्ञानिक उपकरणों और अनुसंधान परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के अभियानों से देश की समुद्री वैज्ञानिक गतिविधियों को निरंतर समर्थन मिलता है और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, एक की मौत, 11 घायल

विश्व केसरी

बहराइच। गोंडा से बहराइच जा रही उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस रविवार सुबह हादसे का शिकार हो गई, जिसमें एक की मौत और 11 लोग घायल हो गए हैं। बस सीमेंट से लदी ट्रैक्टर-टॉली से टकरा गई।

हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि बस के 11 यात्री घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे, सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनके उचित इलाज के निर्देश दिए। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सभी घायलों का इलाज बहराइच मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसके वर्मा ने पत्रकारों से बताया कि सुबह करीब 5 बजे चिलवरिया और बहराइच के बीच सड़क हादसा हुआ। ट्रैक्टर-ट्रॉली से बस की टक्कर हो गई और 11 घायल लोगों को यहां लाया गया। उनमें से पांच को भर्ती किया गया। एक मरीज की पसली में चोट आई है और उसे आगे के इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। चार घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

वहीं, बीते महीने यूपी की गाजीपुर में भी दर्दनाक सड़क हादसा हो गया था। जिले के सैदपुर कोतवाली क्षेत्र के शरीफपुर स्थित हाईवे अंडरपास के नीचे हादसा हुआ था, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में महिलाओं और दो महीने की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे में पिता और एक वर्षीय बच्ची घायल हो गए थे।

जानकारी के अनुसार, मिर्जापुर जिले के अदलहाट थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव के रहने वाले प्रतीक गिरि अपनी पत्नी काजल गिरि, दो महीने की बेटी शेजल, एक वर्षीय बेटी श्रेया तथा भाभी रितु देवी के साथ आजमगढ़ से अपने घर लौट रहे थे।

अमरनाथ यात्रा 2026: कड़ी सुरक्षा के बीच चौथा जत्था जम्मू से रवाना, 6,721 श्रद्धालु शामिल

विश्व केसरी

जम्मू। अमरनाथ यात्रा 2026 के तहत श्रद्धालुओं का चौथा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से पवित्र गुफा की ओर रवाना हुआ। प्रशासन के अनुसार, कुल 6,721 तीर्थयात्री 291 वाहनों के काफिले में बालटाल और पहलगाम के दोहरे बेस कैंपों के लिए रवाना हुए।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा प्रबंध, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती, एस्कॉर्टेड काफिले, चिकित्सा सुविधाएं, तथा विशेष यातायात प्रबंधन व्यवस्था की गई है।

जम्मू स्थित जोनल पुलिस कंट्रोल रूम (जेडपीसीआर) के अनुसार, चौथे जत्थे में 4,576 पुरुष श्रद्धालु, 1,310 महिला श्रद्धालु, 22 बच्चे, 572 साधु, 154 साध्वियां, 38 विदेशी पुरुष श्रद्धालु और 49 विदेशी महिला श्रद्धालु शामिल हैं। श्रद्धालुओं के लिए परिवहन की व्यापक व्यवस्था की गई है। पूरे काफिले में 134 बसें, 37 मध्यम मोटर वाहन (एमएमवी) और 120 हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) शामिल हैं।

बालटाल जाने वाले काफिले में कुल 152 वाहन शामिल हैं, जिनमें 50 बसें, 12 मध्यम मोटर वाहन और 90 हल्के मोटर वाहन हैं। वहीं, पहलगाम मार्ग पर जाने वाले 139 वाहनों के काफिले में 84 बसें, 25 मध्यम मोटर वाहन और 30 हल्के मोटर वाहन शामिल हैं।

इस बीच, पिछले दो दिनों में पवित्र गुफा के पास हार्ट अटैक के कारण दो तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। तीर्थयात्री परवीन छगनलाल परवन, जो गुजरात के जामनगर जिले के विभापार निवासी छगनलाल के पुत्र थे, कालीमाता स्थल पर बेहोश हो गए। संयुक्त बचाव अभियान दल द्वारा उन्हें तत्काल पवित्र गुफा स्थित चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एक अन्य तीर्थयात्री, अरुण कुमार (52 वर्ष), जो शिव पाल के पुत्र हैं और गली नंबर 3, न्यू बहादुर चंद कॉलोनी, हांसी रोड, करनाल, हरियाणा के निवासी हैं, शनिवार को सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित हुए और उन्हें भी तुरंत पवित्र गुफा चिकित्सा केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें होश में लाने की कोशिश की, लेकिन उनका निधन हो गया।

खबरों के अनुसार, यात्रा क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ है और हजारों यात्री पवित्र गुफा की ओर जाते हुए नुनवान, पहलगाम, चंदनवारी, शेषनाग, पंचतरणी और बालताल में डेरा डाले हुए हैं। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुलभ और परेशानी मुक्त यात्रा के लिए विस्तृत व्यवस्था की है।

सीबीआई ने 2002 के गढ़वा किले में मूर्ति चोरी और हत्या के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने 4 जुलाई को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के खाखेरू पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले नसीरपुर गांव से रामनारायण उर्फ हैदर नाम के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 2002 के एक मामले के सिलसिले में की गई है, जिसमें प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की संरक्षित साइट, गढ़वा किले से एक प्राचीन मूर्ति की चोरी और डकैती के दौरान हत्या का मामला शामिल था।

सीबीआई ने यह मामला 9 सितंबर 2003 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) जिले के शंकरगढ़ पुलिस स्टेशन से अपने हाथ में लेने के बाद दर्ज किया था। मूल रूप से यह मामला वहां भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 396 और 201 के तहत अपराध संख्या 43/2002 के रूप में दर्ज किया गया था। आरोप है कि 21-22 अप्रैल 2002 की रात को आरोपी विजय कुमार शुक्ला की अगुवाई में 11 लोगों के एक गिरोह ने संरक्षित गढ़वा किले में डकैती की। इस घटना के दौरान, गिरोह ने कथित तौर पर चौकीदार विनोद कुमार श्रीवास्तव की पिटाई की और उसका मुंह बंद करके उसकी हत्या कर दी, दूसरे चौकीदार को काबू में किया, स्टोर रूम का ताला तोड़ा और भगवान बुद्ध की पत्थर की एक कीमती मूर्ति चुरा ली, जो निकालते समय दो टुकड़ों में टूट गई। जांच से पता चला कि मूर्ति के चोरी हुए टुकड़ों को कथित तौर पर एक गाड़ी में ले जाया गया और आरोपी विजय कुमार शुक्ला ने उन्हें दो लोगों को 2.20 लाख रुपए में बेच दिया। इसके बाद मूर्ति को दिल्ली के महिपालपुर स्थित एक गोदाम में ले जाया गया और कथित तौर पर विदेश भेज दिया गया। जांच के बाद सीबीआई ने 22 दिसंबर 2005 को दस आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।

2026 के अंत तक भारत में शुरू हो जाएंगे 5 सेमीकंडक्टर प्लांट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत तेजी से सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगा रहा है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में साल 2026 के अंत तक पांच सेमीकंडक्टर प्लांट पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। इससे भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएगा।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार अब तक 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है। इनमें से तीन परियोजनाएं अब व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी हैं, जबकि दो अन्य प्लांट अगले कुछ महीनों में उद्घाटन के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 और 31 मार्च 2026 को देश के पहले और दूसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया था। अब साणंद (गुजरात) स्थित तीसरी सीजी सेमी (ओएसएटी) फैसिलिटी भी व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी है। इससे भारत की सेमीकंडक्टर क्षमता और विश्वसनीयता पर दुनिया का भरोसा ज्यादा मजबूत हुआ है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में एक मजबूत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार हो रहा है, जो विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय गुजरात सरकार के सक्रिय सहयोग और बेहतर क्रियान्वयन को भी दिया। उनके अनुसार, सीजी सेमी प्लांट ने सिर्फ 27 महीनों में भूमिपूजन से लेकर व्यावसायिक उत्पादन तक का सफर पूरा कर लिया, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने फ्रांस में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया, भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की सराहना की

विश्व केसरी

पेरिस/नई दिल्ली। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्रांस में भारतीय समुदाय को संबोधित किया और एक मजबूत ताकत के तौर पर उनकी भूमिका की सराहना की, जो भारत के सॉफ्ट पावर, ग्लोबल स्टैंडिंग और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाती है।

उन्होंने फ्रांस के मार्सिले में एक सभा में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मुख्य भाषण दिया। वित्त मंत्रालय के अनुसार, बाद में सीतारमण ने भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की।

उन्होंने फ्रांस के कैडाराचे में इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) प्रोजेक्ट में योगदान देने वाले लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) के भारतीय प्रोफेशनल्स से भी बातचीत की।

आईटीईआर एक बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग है जिसका मकसद दुनिया का सबसे बड़ा एक्सपेरिमेंटल टोकामक न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर बनाना है।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि इस प्रोजेक्ट में भारत समेत सात मुख्य सदस्य देश शामिल हैं और कई दूसरे देशों के साथ और भी सहयोग समझौते किए गए हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने एलेन बेकौलेट और कट्टालाई रामचंद्रन श्रीराम का एक प्रेजेंटेशन और आईटीईआर में भारत के योगदान को भी देखा।

बाद में, गाइडेड विजिट के दौरान, वित्त मंत्री को आईटीईआर की सुविधाओं के बारे में बताया गया, जिसमें क्लीनिंग हॉल और असेंबली हॉल वॉक और टोकामक पिट का नजारा दिखाया गया।

ई20 प्रोग्राम पूरी तरह से नियोजित, पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण कई वर्षों तक सभी पक्षकारों से चर्चा के बाद हुआ लागू : पूर्व बीपीसीएल अधिकारी

विश्व केसरी ■

मुंबई । केंद्र सरकार का ई20 प्रोग्राम पूरी तरह से नियोजित है और पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण कई वर्षों तक सभी पक्षकारों से चर्चा के बाद लागू किया गया है। इसमें ऑयल मार्केटिंग कंपनियां, एथेनॉल उत्पादक, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, वैज्ञानिक और ऑटोमोबाइल रिसर्च एसोसिएशन शामिल हैं। यह जानकारी पूर्व बीपीसीएल निदेशक (रिफाइनरी) आर. रामचंद्रन की ओर से दी गई।

मीडिया से बातचीत में आर.रामचंद्रन ने कहा कि ई20 के कार्यान्वयन से पहले तकनीकी, परिचालन और नीतिगत पहलुओं सभी पर विचार किया गया है।

रामचंद्रन ने मीडिया को बताया, 'ई20 एथेनॉल मिश्रण पहल एक अच्छी तरह से सोची-समझी और कई सालों तक चली प्रक्रिया रही है, जिसमें सभी पक्षकारों—तेल कंपनियां, एथेनॉल बनाने वाली कंपनियां, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, वैज्ञानिक और ऑटोमोबाइल रिसर्च एसोसिएशन—शामिल रहे हैं।'

ई85 के बारे में बात करते हुए रामचंद्रन ने स्पष्ट किया कि यह अभी किसी सरकारी पॉलिसी या लागू करने की योजना का हिस्सा नहीं है।

उन्होंने कहा, 'ई85 अभी किसी सरकारी पॉलिसी या लागू करने की योजना का हिस्सा नहीं है। इसे भविष्य के एक संभावित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। यह सोच ब्राजील जैसे देशों से प्रेरित है, जहां ई100 को फ्लेक्स-फ्यूल इंजन टेक्नोलॉजी के साथ इस्तेमाल करने के लिए विकसित किया गया है।'

भविष्य में औद्योगिक विस्तार के दौरान पानी के इस्तेमाल को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि उद्योगों को उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पानी बचाने को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने लगभग 100 प्रतिशत पानी की रीसाइक्लिंग करने, ट्रीट किए गए वेस्टवॉटर का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने और इंडस्ट्रियल-ग्रेड पानी बनाने के लिए रिवर्स ऑस्मोसिस और डिमिनरलाइजेशन प्लांट जैसी टेक्नोलॉजी अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उद्योग पानी की अधिक खपत वाली प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक कूलिंग सिस्टम अपनाएं, जिनमें एयर-बेस्ड, कंप्रेस्ड-एयर और चिल्ड-एयर टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

भारत की एनर्जी सिक्योरिटी के बारे में रामचंद्रन ने कहा कि देश की मजबूती कई वजहों से है, जिसमें पिछले पांच-छह सालों में कच्चे तेल के आयात बास्केट में लगातार विविधता लाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि भारतीय तेल उद्योग ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ मिलकर तेल खरीदने के विकल्पों को बढ़ाया है। इससे देश वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से कच्चा तेल हासिल करके सप्लाई चेन में आने वाली संभावित रुकावटों जैसे कि होर्मुज स्ट्रेट का बंद होना आदि को संभाल सकता है।

नमो स्वच्छता अभियानः सोला सिविल अस्पताल से 79 किलो ठोस कचरा हटाया गया, मरीजों की सुरक्षा को बेहतर बनाना मकसद

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद । अहमदाबाद के सोला सिविल अस्पताल ने राज्य सरकार के 'नमो स्वच्छता अभियान' के तहत 79 किलो ठोस कचरा हटाया है। 159 बेकार हो चुके मेडिकल उपकरणों को हटाने (स्क्रैप करने) की प्रक्रिया शुरू की है और बड़े पैमाने पर मेंटेनेंस का काम किया है, जिसमें 508 फायर एक्सटिंग्विशर की सर्विसिंग भी शामिल है। इस अभियान का मकसद साफ-सफाई और मरीजों की सुरक्षा को बेहतर बनाना है।

राज्य सरकार द्वारा पूरे गुजरात में चलाए जा रहे इस अभियान का फोकस अस्पताल में होने वाले संक्रमण (नोसोकोमियल इन्फेक्शन) को कम करने पर है। इसके लिए गहन सफाई, कीटाणुशोधन (डिसइंफेक्शन) और इंफ्रास्ट्रक्चर के मेंटेनेंस पर ध्यान दिया जा रहा है।अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अलग-अलग विभागों से लगभग 79 किलो ठोस कचरा हटाया गया है, जबकि तय प्रक्रियाओं के अनुसार 159 बेकार मेडिकल उपकरणों और 1,365 खराब हो चुकी वस्तुओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

रेसिडेंट मेडिकल ऑफिसर डॉ. हेमांगिनी पटेल ने कहा कि अस्पताल में होने वाले संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए अस्पताल में सफाई, कीटाणुशोधन और अनावश्यक सामान हटाने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'मरीजों के लिए सुरक्षित और साफ माहौल बनाने के लिए पूरे अस्पताल में लगातार निगरानी रखी जा रही है।'

इस अभियान में इनडोर और आउटडोर एरिया, अस्पताल परिसर और टॉयलेट शामिल हैं। सफाई अभियान के साथ-साथ, अस्पताल ने 508 फायर एक्सटिंग्विशर को रिफिल करने या लगाने का काम भी पूरा कर लिया है।

जरूरी सुविधाओं के लिए मेंटेनेंस का काम भी किया गया है। जांचे गए 319 नलों में से 56 की मरम्मत की गई या उन्हें बदला गया। इलेक्ट्रिकल सिस्टम में, मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 63 बल्ब और 22 सीलिंग फैन की मरम्मत की गई।

अस्पताल के 575 फर्नीचर, मेडिकल और आईटी उपकरणों में से 103 की मरम्मत की गई और उन्हें इस्तेमाल के लिए ठीक किया गया। डॉ. पटेल ने कहा कि लगभग 300 पुरानी बेडशीट, तकिए के कवर और गद्दों को चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सभी मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ को तय कलर-कोडेड अलग-अलग करने के सिस्टम का इस्तेमाल करके बायोमेडिकल कचरे के वैज्ञानिक निपटान (डिस्पोजल) पर विशेष ट्रेनिंग दी गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में फर्श, दीवारों, खिड़कियों, ग्लास पैनल और सीलिंग फैन की नियमित सफाई की जा रही है।

मीठा खाने का भी होता है सही समय, वरना बढ़ सकती है ब्लड शुगर और वजन की परेशानी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। त्योहार, शादी-ब्याह, जन्मदिन या कोई भी खुशी का मौका बिना मीठे के अधूरा लगता है। लेकिन डॉक्टरों की मानें तो, मीठा खाने का एक सही समय होता है, जिसको लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। गलत समय पर खाया गया मीठा ब्लड शुगर बढ़ने का कारण बनता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है।

कई लोग सुबह उठते ही मिठाई, चॉकलेट, बिस्कुट या मीठी चीजें खा लेते हैं। ऐसा करना शरीर के लिए नुकसादायक हो सकता है। खाली पेट मीठा खाने से उसमें मौजूद चीनी बहुत जल्दी खून में पहुंच जाती है। इससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है। कुछ समय बाद यह अचानक नीचे भी आ जाता है। इस वजह से जल्दी भूख लगती है, कमजोरी महसूस होती है और बार-बार कुछ मीठा खाने का मन भी करता है।

इसके मुकाबले, अगर मीठा खाना खाने के बाद खाया जाए तो शरीर उसे बेहतर तरीके से संभाल लेता है। जब हम पहले दाल, रोटी, सब्जी, चावल, सलाद या दूसरी पौष्टिक चीजें खाते हैं,

तब शरीर को फाइबर, प्रोटीन और दूसरे जरूरी पोषक तत्व मिल जाते हैं। ये चीजें मीठे में मौजूद चीनी को धीरे-धीरे शरीर में पहुंचने देती हैं। इससे ब्लड शुगर एकदम से नहीं बढ़ती और शरीर पर ज्यादा दबाव भी नहीं पड़ता। इसलिए डॉक्टर भी यही सलाह देते हैं कि अगर मीठा खाना हो तो उसे भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में खाना बेहतर होता है।

डॉक्टर बताते हैं कि दिन और रात के समय में भी काफी फर्क होता है। रात के खाने के बाद ज्यादा मीठा खाना शरीर के लिए सही नहीं माना जाता। रात में हमारा शरीर आराम करने की तैयारी करता है। ऐसे में मीठे से मिलने वाली ज्यादा चीनी और कैलोरी शरीर में जमा होने लगती है। इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है। वैज्ञानिक शोध की मानें, तो रात में बार-बार मीठा खाने की आदत से आगे चलकर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

अगर दिन में, खासकर दोपहर के खाने के बाद, थोड़ी मात्रा में मीठा खाया जाए तो उसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि दिन के समय लोग ज्यादा सक्रिय रहते हैं।

कुछ लोग जल्दी के चक्कर में सिर्फ केक, पेस्ट्री, चॉकलेट या मीठे पेय पीकर ही काम चला लेते हैं। ऐसा करने से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिलता। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दाल, रोटी, सब्जी, फल और दूसरी पौष्टिक चीजें खाना जरूरी है।

जिन लोगों को डायबिटीज, प्री-डायबिटीज, मोटापा या ब्लड शुगर की समस्या है, उन्हें मीठा खाने में और भी ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए।

विश्व जूनोसिस दिवस : जानवरों से इंसानों में फैलती हैं ये जानलेवा बीमारियां, जानिए कैसे करें बचाव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एक जानवर से शुरू हुई बीमारी पूरी दुनिया को ठप कर सकती है। यह बात सुनने में भले ही हैरान करने वाली लगे, लेकिन कुछ साल पहले आई कोविड-19 महामारी ने दिखा दिया कि एक सूक्ष्म वायरस किस तरह पूरी दुनिया की रफ्तार रोक सकता है। इस महामारी में लाखों लोगों की जान गई और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ा। हर साल 6 जुलाई को विश्व जूनोसिस दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को उन बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा सके जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं। इन्हें जूनोटिक रोग कहा जाता है।

जूनोटिक रोग ऐसे संक्रामक रोग हैं जो मुख्य रूप से जानवरों से इंसानों में फैलते हैं। इनका संक्रमण संक्रमित जानवर के सीधे संपर्क, उसके काटने या खरोंचने, मच्छरों और टिक जैसे वाहकों, दूषित भोजन या पानी तथा संक्रमित वातावरण के माध्यम से हो सकता है।

विश्व जूनोसिस दिवस का इतिहास भी काफी महत्वपूर्ण है। 6 जुलाई 1885 को फ्रांसीसी वैज्ञानिक लुई पाश्चर ने पहली बार रेबीज से संक्रमित एक बच्चे को सफलतापूर्वक वैक्सीन दी थी। चिकित्सा विज्ञान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में हर वर्ष 6 जुलाई को विश्व जूनोसिस दिवस मनाया जाता है और लोगों को टीकाकरण तथा बचाव के महत्व के प्रति जागरूक किया जाता है।

जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों में सबसे अधिक चर्चित रेबीज है। इसके अलावा इबोला, निपाह वायरस, बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा), लासा फीवर और बोवाइन ट्यूबरकुलोसिस जैसी कई गंभीर बीमारियां भी जूनोटिक रोगों की श्रेणी में आती हैं। कोविड-19 को भी व्यापक रूप से संभावित जूनोटिक उत्पत्ति वाली महामारी माना जाता है। इनमें से कई बीमारियां समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा साबित हो सकती हैं।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, दुनिया में ज्ञात संक्रामक बीमारियों में लगभग 60 प्रतिशत पशुजन्य होती हैं, जबकि नई और उभरती संक्रामक बीमारियों में करीब 75 प्रतिशत की उत्पत्ति जानवरों से होती है।

'विकसित भारत के लिए स्वस्थ नागरिक जरूरी', फिट इंडिया साइकिलिंग कार्यक्रम में बोले मनसुख मंडाविया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को आयोजित 80वें 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों के साथ साइकिल चलाई, फिटनेस की शपथ दिलाई और लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य फिटनेस, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना था। बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, स्वयंसेवकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस सामुदायिक साइकिलिंग अभियान में भाग लिया।

मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि 'फिट इंडिया साइकिलिंग' और 'रन' पहल की शुरुआत पिछले वर्ष अगस्त में श्री सत्य साईं सेवा फाउंडेशन के सहयोग से की गई थी। उन्होंने कहा कि यह केवल एक फिटनेस गतिविधि नहीं, बल्कि देश को

स्वस्थ, जागरूक और विकसित बनाने का एक जनआंदोलन है।मंडाविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। यदि देश को विकसित बनाना है तो उसके नागरिकों का स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज ही मजबूत अर्थव्यवस्था और विकसित राष्ट्र की नींव रख सकता है।

उन्होंने कहा कि रविवार को आयोजित यह 80वां 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम है, जिसे श्री सत्य साईं सेवा फाउंडेशन और फिट इंडिया अभियान के सहयोग से देशभर में आयोजित किया जा रहा है। उनका कहना है कि साइकिल केवल एक परिवहन का साधन नहीं बल्कि कई राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान भी है।

मंडाविया ने कहा, 'साइकिलिंग प्रदूषण का समाधान है। यह हमें फिट रखती है और ट्रैफिक की समस्या को भी कम करती है। एक व्यक्ति यदि नियमित रूप से साइकिल का उपयोग करता है तो वह ईंधन की बचत करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देता है। भारत को बड़ी मात्रा में तेल आयात करना पड़ता है। यदि अधिक लोग साइकिल अपनाएं तो इससे विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन नहीं, उसे सही तरीके से पकाना भी है जरूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना हर किसी के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि अच्छा स्वास्थ्य केवल पौष्टिक भोजन खाने से ही नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से पकाने पर भी निर्भर करता है। स्मार्ट कुकिंग की आदतें अपनाकर हम भोजन को अधिक पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं। खाना पकाते समय छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय तक हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं।

भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि खाना बनाते समय तेल की मात्रा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। अक्सर लोग बिना माप के तेल डाल देते हैं, जिससे भोजन में आवश्यकता से अधिक वसा शामिल हो जाती है। इसलिए, तेल डालने के लिए हमेशा चम्मच का उपयोग करना चाहिए। इससे तेल की सही मात्रा का उपयोग होता है और अतिरिक्त कैलोरी से बचाव होता है। कम तेल में बना भोजन हृदय के लिए बेहतर होता है तथा मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के खतरे को भी कम करता है।

दूसरी महत्वपूर्ण आदत है बार-बार तला हुआ भोजन खाने से बचना। तले हुए खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट तो लगते हैं, लेकिन इनमें अधिक मात्रा में वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से समोसा, पकौड़े, चिप्स, पूड़ी या अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ खाने से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। यदि कभी तला हुआ भोजन खाना भी हो, तो उसे सीमित मात्रा में और कभी-कभार ही खाना चाहिए। दैनिक भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अधिक स्थान देना चाहिए।

स्वस्थ जीवन के लिए खाना पकाने के तरीकों का चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण है। चीजों को तेल में तलने के बजाय भाप में पकाना, भूनना, उबालना या ग्रिल करना अधिक लाभदायक होता है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सिर्फ बॉडीबिल्डर्स नहीं, बल्कि सभी के लिए है जरूरी! नई स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल फिट रहने के लिए लोग तरह-तरह की एक्सरसाइज करते हैं। कोई सुबह-सुबह वॉक पर निकल जाता है, कोई रनिंग करता है, तो कोई योग और मेडिटेशन को अपनाता है। वहीं, जब भी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की बात आती है, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ बॉडीबिल्डर्स के लिए जरूरी होती है। हालांकि लेकिन ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में ऑनलाइन प्रकाशित एक नई स्टडी आपकी इस सोच को पूरी तरह बदल देगी।

नई स्टडी के मुताबिक, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सिर्फ मसल्स बनाने या बॉडीबिल्डिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर उम्र और हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। यह न सिर्फ शरीर को मजबूत बनाती है, बल्कि लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य में भी अहम भूमिका निभा सकती है। यह अध्ययन ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है, जिसमें करीब 1.47 लाख लोगों के स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण किया गया। इन लोगों को लगभग 30 साल तक फॉलो किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उनकी एक्सरसाइज की आदतों को समझा कि कौन लोग कार्डियो करते हैं, कौन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं और कौन दोनों का संतुलन बनाए रखते हैं।

विंबलडन: दिमित्रोव ने बनाई चौथे दौर में जगह, रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी को हराया

विश्व केसरी ■

लंदन। बुल्गारिया के अनुभवी खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव ने विंबलडन 2026 के चौथे दौर में जगह बना ली है। दिमित्रोव ने रोमांचक मुकाबले में इटली के माटेओ बेरेटिनी को पांच सेट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराया।

दिमित्रोव के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि उन्होंने पिछले साल इसी कोर्ट पर चोट के कारण जैनिक सिनर के खिलाफ मैच बीच में छोड़ दिया था। हालांकि, इस बार उन्होंने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच खत्म होने के बाद दिमित्रोव भावुक अंदाज में अपने हाथ उठाकर जीत का जश्न मनाया।

पहले दो सेटों में दिमित्रोव पूरी तरह हावी रहे और उन्होंने मजबूत सर्विस और बेहतरीन शॉट्स के दम पर 2-0 की बढ़त बनाई। हालांकि, इसके बाद बेरेटिनी ने बेहतरीन वापसी की। इटली के खिलाड़ी ने तीसरा और चौथा सेट जीतकर मुकाबले को पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन दिमित्रोव ने महत्वपूर्ण मौके पर बेरेटिनी की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल की और सेट को 6-3 से जीतते हुए मुकाबले को अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला तीन घंटे और 32 मिनट तक चला और दोनों ही खिलाड़ियों का प्रदर्शन दमदार रहा।

मैच के बाद दिमित्रोव ने कहा कि पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है। बल्गेरियाई टेनिस खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव के लिए वापसी का सफर आसान नहीं रहा। चोट के बाद वह लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहे और अक्टूबर के अंत में पेरिस टूर्नामेंट में उनकी वापसी भी सफल नहीं रही, जहां वह दूसरे राउंड से पहले ही हट गए।

35 वर्षीय दिमित्रोव ने इसके बाद संघर्ष किया और जून 2026 तक सिर्फ दो टूर-लेवल मैच ही जीत पाए। हालांकि, सीजन के तीसरे ग्रैंड स्लैम से पहले उन्होंने डबलिन के एटीपी चैलेंजर में दो जीत हासिल कर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए।

यह महज शुरुआत, हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना है: मोहम्मद ओआहबी

विश्व केसरी ■

ह्यूस्टन । मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआहबी का कहना है कि उनकी टीम अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 में किसी सरप्राइज टीम के तौर पर नहीं, बल्कि एक मजबूत दावेदार के रूप में सामने आई है। मोरक्को ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में कनाडा को 3-0 से हराते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है।

कनाडा ने मैच के पहले हाफ में आक्रामक शुरुआत की और मोरक्को पर लगातार दबाव बनाया। हालांकि, इसके बावजूद सह-मेजबान मोरक्को के डिफेंस को पूरे मैच में एक बार भी नहीं भेद सके। दूसरे हाफ में मोरक्को का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। टीम की ओर से अजेदीन ओनाही ने दो गोल दागे, जबकि सौफियाने रहीमी ने मोरक्को की ओर से तीसरा गोल किया।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ओआहबी ने कहा, 'जब लोग अब मोरक्को के बारे में बात करते हैं, तो वे एक बड़े फुटबॉल देश के बारे में बात कर रहे होते हैं। यह गर्व की बात है, लेकिन मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है। हम आगे बढ़ते रहना चाहते हैं।' 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, कोच ने कहा कि दूसरे हाफ में किए गए तकनीकी बदलाव टीम के लिए फायदेमंद साबित हुए। उन्होंने कहा, 'हम दूसरे हाफ में बेहतर थे। कनाडा ने भी उतना ही आक्रामक खेल खेला, लेकिन उनका प्रदर्शन उतना अच्छा।

हमने जो बदलाव किए, उनका असर दिखा। हम खेल पर ज्यादा नियंत्रण में थे। हमने उनके डिफेंस के पीछे से पास देने की कोशिश की, जिससे उन्हें अपने ही गोल की तरफ मुड़कर बचाव करना पड़ा। यह रणनीति हमारे लिए काफी कारगर रही।'

3-0 के एकतरफा स्कोर के बावजूद कोच मोहम्मद ओआहबी ने माना कि उन्हें कनाडा से कड़ी चुनौती की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, 'मुझे अब तक के सबसे मुश्किल मैच की उम्मीद थी और मैं सही था। मुझे सच में लगा था कि यह टीम हमारे लिए समस्या खड़ी करेगी। राउंड ऑफ 16 में आमतौर पर 3-0 जैसे स्कोर बहुत कम देखने को मिलते हैं।' इस जीत के साथ मोरक्को ने एक बार फिर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनकर इतिहास रचा था और अब वह लगातार दूसरी बार अंतिम आठ में पहुंची है।

गुरुवार को बोस्टन स्टेडियम में मोरक्को का क्वार्टर फाइनल मुकाबला दो बार की विश्व चैंपियन फ्रांस से होगा, जिसने पैराग्वे को 1-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई है। ये दोनों टीमें चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप के सेमीफाइनल में भिड़ी थीं, जहां फ्रांस ने बाजी मारी थी। ऐसे में मोरक्को के पास उस हार का बदला लेने का मौका रहेगा।

कोच मोहम्मद ओआहबी ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य अब और आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'हम रुकना नहीं चाहते। हम वही महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास बनाए रखेंगे। हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना है।

सूर्यवंशी का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, वे बहुत आगे जाएंगे: पार्थिव पटेल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में डेब्यू किया। 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय बन गए। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना ??है कि वैभव में एक लंबा और सफल इंटरनेशनल करियर बनाने के सभी गुण हैं।

हालांकि, 15 वर्षीय खिलाड़ी अपने डेब्यू मैच में 10 गेंदों का सामना करते हुए 2 छक्कों के साथ 14 रन बना सके, लेकिन पार्थिव का कहना है कि यह मौका स्कोरबोर्ड पर लिखे रनों से कहीं ज्यादा अहम था। उन्होंने इस युवा खिलाड़ी का समर्थन करते हुए कहा कि वह खुद से जुड़ी बड़ी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे।

पार्थिव ने सूर्यवंशी के पहले इंटरनेशनल मैच को एक यादगार पल बताया, न सिर्फ उनकी कम उम्र की वजह से, बल्कि इसलिए भी क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

पार्थिव ने 'जियोस्टार' से कहा, 'पूरी क्रिकेट दुनिया वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू का इंतजार कर रही थी। उन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 15 साल की उम्र में मौका मिला और वह भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

फीफा वर्ल्ड कप: पैराग्वे को हराकर क्वार्टर फाइनल में फ्रांस, एम्बाप्पे बने जीत के नायक

विश्व केसरी ■

फिलाडेल्फिया। फ्रांस ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। राउंड ऑफ 16 मुकाबले में फ्रांस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 1-0 से हराया।

फ्रांस की इस जीत के नायक किलियन एम्बाप्पे रहे। एम्बाप्पे ने मैच का एकमात्र गोल किया। डिजायर डूए को पेनल्टी बॉक्स के अंदर फाउल किए जाने के बाद फ्रांस को पेनल्टी मिली। पेनल्टी का फायदा उठाते हुए एम्बाप्पे ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। यह एम्बाप्पे का इस वर्ल्ड कप में सातवां गोल है। इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूत दावेदार बने हुए हैं। वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में यह उनका रिकॉर्ड 11वां गोल भी रहा। इसके अलावा, वह लगातार तीन वर्ल्ड कप में राउंड ऑफ 16 मैच में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

हालांकि, फ्रांस के लिए यह मुकाबला बिल्कुल आसान नहीं रहा। पैराग्वे ने पूरे मैच में अनुशासित खेल दिखाया और मजबूत डिफेंस के बूते फ्रांस को ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ में फ्रांस के पास गेंद पर ज्यादा नियंत्रण था, लेकिन टीम पैराग्वे के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद सकी। फ्रांस के खिलाड़ियों के ज्यादातर प्रयास दूर से लगाए गए शॉट तक सीमित रहे, जिनका गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने आसानी से बचाव कर लिया।

दूसरे हाफ में फ्रांस ने आक्रामक खेल दिखाया। ओस्मान डेम्बेले ने तेज कॉर्नर मूव पर गोल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद साइड नेटिंग में लगी। इसके बाद मनु कोने के दमदार लंबी दूरी के शॉट को ऑरलैंडो गिल ने शानदार डाइव लगाकर रोका। लगातार बढ़ते दबाव के बीच आखिरकार 69वें मिनट में फ्रांस को पेनल्टी मिली और एम्बाप्पे ने उसे गोल में बदलकर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद फ्रांस ने बढ़त को अंत तक कायम रखा और 1-0 की जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अब अंतिम आठ के मुकाबले में फ्रांस का सामना मोरक्को से होगा, जिसने अपने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में कनाडा को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया है।

एक्सपोजर टूर के लिए बेल्जियम रवाना हुई भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु । 24 सदस्यों वाली भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेल्जियम के अपने एक्सपोजर टूर के लिए रवाना हुई। इस टूर के मुकाबले 7 से 17 जुलाई तक खेले जाने हैं।

नए हेड कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम एशिया कप और अन्य अहम इंटरनेशनल टूर्नामेंटों की तैयारियों के तहत यूरोप दौरे पर छह मैच खेलेगी। इस दौरे में भारत ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगा, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड्स के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा। इनमें से पांच मुकाबले बेल्जियम के वावरे स्थित बेल्फियस हॉकी एरिना में आयोजित होंगे, जबकि अंतिम मैच एंटवर्प के हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाएगा।

यह यूरोप दौरा कोच फ्रेडरिक सोयेज के नेतृत्व में भारतीय जूनियर टीम का पहला विदेशी दौरा होगा। इसके साथ ही, यह इस साल के अंत में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरे के दौरान टीम को मजबूत यूरोपीय देशों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा, जिससे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्तर का अनुभव हासिल होगा। वहीं, कोचिंग स्टाफ को टीम के संयोजन और खेल की रणनीति को परखने तथा जूनियर एशिया कप से पहले अंतिम तैयारियों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

डिफेंडर अनमोल एक्का को एक्सपोजर टूर के लिए कप्तानी सौंपी गई है। गोलकीपिंग यूनिट में विवेक लाकड़ा और कुणाल तेवतिया शामिल हैं। डिफेंसिव लाइन में कप्तान अनमोल एक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत तिर्की और वी. मणिमारन हैं।

मिडफील्ड में अदरोहित एक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक और ऋतिक लाकड़ा होंगे। फॉरवर्ड लाइन में अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन जेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद और गुरुसेवक सिंह शामिल हैं। खास बात यह है कि टीम के चार सदस्य—अनमोल एक्का, अदरोहित एक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू—उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने एफआईएच मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

'शंघाई फॉर्मूला ई' में ग्रासी की चौंकाने वाली जीत, वेहरलीन चैंपियनशिप में सबसे आगे

विश्व केसरी ■

शंघाई । लुकास डी ग्रासी ने रविवार को 2025-26 शंघाई ई-प्रिक्स डबल-हेडर की दूसरी रेस में शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ लुकास ने 'फॉर्मूला ई' में चार साल से चले आ रहे जीत के सूखे को खत्म किया। वहीं, प्रतिद्वंद्वी मिच इवांस के रेस शुरू न कर पाने के कारण पास्कल वेहरलीन चैंपियनशिप में सबसे आगे हो गए।

डी ग्रासी ग्रिड पर 19वें स्थान से आगे बढ़े और साल 2022 में लंदन के बाद अपनी पहली 'फॉर्मूला ई' जीत दर्ज की। ??साथ ही, 2024 में एबीटी कपरा टीम का लाइसेंस लेने के बाद से लोला यामाहा के लिए यह पहली जीत थी।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, शंघाई इंटरनेशनल सर्किट पर दिनभर बारिश होती रही, लेकिन रेस शुरू होने से ठीक पहले बारिश कम हो गई। इससे डी ग्रासी और दूसरे स्थान पर रहे जीन-एरिक वर्गेन ने ड्राई सेटअप (सूखी ट्रैक के लिए गाड़ी की सेटिंग) का जोखिम उठाया, जबकि उनके कई प्रतिद्वंद्वियों ने वेट कॉन्फिगरेशन (गीली ट्रैक के लिए सेटिंग) को चुना।

शुरुआत में यह रणनीति जोखिम भरी लग रही थी, क्योंकि डी ग्रासी शुरुआती लैप्स में संघर्ष कर रहे थे और प्वाइंट्स की दौड़ से बाहर रहते हुए ऊर्जा बचा रहे थे। हालांकि, जैसे-जैसे सर्किट सूखता गया, ब्राजीलियाई ड्राइवर ने तेजी से आगे बढ़ना शुरू किया और 24वें लैप में 'फुल-कोर्स येलो' (सावधानी का संकेत) होने से पहले तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

एक लैप बाद जब रेस फिर से शुरू हुई, तो आगे चल रहे ड्राइवरों में डी ग्रासी ही एकमात्र ऐसे ड्राइवर थे जिनके पास 'अटैक मोड' का इस्तेमाल नहीं हुआ था। उन्होंने अतिरिक्त पावर का इस्तेमाल करते हुए आखिरी लैप के पहले मोड़ पर वर्गेन को पीछे छोड़ा और जीत हासिल की, साथ ही 'फॉर्मूला ई' के सबसे उम्रदराज विजेता के तौर पर अपना रिकॉर्ड और बेहतर किया।वर्गेन ने ग्रिड पर 18वें स्थान से शानदार वापसी करते हुए दूसरा पायदान हासिल किया।

विंबलडन: मैडिसन कीज ने बनाई चौथे दौर में जगह, रोमांचक मैच में अनिसिमोवा को दी शिकस्त

विश्व केसरी ■

लंदन । अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैडिसन कीज ने विंबलडन 2026 के चौथे दौर में जगह बना ली है। उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ कीज ने ग्रास कोर्ट पर अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार 10वें मैच में जीत हासिल की।

कीज ने अपने करियर में यह छठी बार विंबलडन के राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई है। हालांकि, मैच की शुरुआत अनिसिमोवा ने दमदार अंदाज में की। उन्होंने पहले सेट में शानदार खेल दिखाते हुए सेट को 6-3 से अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद कीज ने शानदार खेल दिखाया और मुकाबले में जोरदार वापसी की। उन्होंने दूसरे सेट में आक्रामक खेल के दम पर 6-2 से जीत दर्ज की और मैच बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक तीसरे सेट में भी कीज ने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके मजबूत बेसलाइन शॉट्स और बेहतरीन सर्विस का अनिसिमोवा के पास कोई जवाब नजर नहीं आया। कीज ने तीसरे सेट को 6-3 से जीतने के साथ ही मुकाबलों को भी अपने नाम कर लिया। कीज की यह उनके करियर की 30वीं विंबलडन मेन ड्रॉ जीत रही। इसके साथ ही उन्होंने अनिसिमोवो से रियाद में डब्ल्यूटीए फाइनल्स 2025 में मिली जीत का हिसाब भी चुकता कर लिया। अनिसिमोवा के लिए यह मुकाबला निराशाजनक रहा। पहले सेट में शानदार शुरुआत करने के बावजूद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सकीं। मैच के दौरान उन्होंने सात डबल फॉल्ट किए, जिनका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। दूसरे सेट में ब्रेक प्वाइंट पर किया गया एक डबल फॉल्ट उनके लिए काफी महंगा साबित हुआ और वहीं से मैच का रुख बदल गया।

कुछ सप्ताह पहले ईस्टबोर्न ओपन का खिताब जीतने वाली कीज बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही हैं और अब खिताब की मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। इस मुकाबले के बाद महिला एकल वर्ग का निचला हिस्सा और दिलचस्प हो गया है। इससे पहले, दिन में दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक भी टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, जिससे कई नए खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है।

अब चौथे दौर में मैडिसन कीज का सामना नौवीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415